

तीन साल बाद फिर नंबर-1 बने गौतम अडानी, अंबानी दूसरे पायदान पर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। फोर्ब्स की 2026 की भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की सूची में गौतम अडानी तीन साल बाद फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी और उनके परिवार की कुल संपत्ति 10.85 लाख करोड़ अंकी गई है। पिछले साल के मुकाबले उनकी संपत्ति में 1.99 लाख करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। डॉलर के लिहाज से भी अडानी इस साल सूची में सबसे ज्यादा संपत्ति बढ़ाने वाले कारोबारी रहे। हालांकि उनकी मौजूदा संपत्ति अब भी 2022 में दर्ज किए गए 714.43 लाख करोड़ के शिखर से कम है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी इस बार दूसरे स्थान पर हैं। उनकी संपत्ति 1.80 लाख करोड़ घटकर 8.30 लाख करोड़ रह गई। फोर्ब्स के मुताबिक, विभिन्न कारोबारों में मार्जिन पर दबाव का असर रिलायंस के शेयरों पर पड़ा है। अडानी और अंबानी के बीच संपत्ति का अंतर भी इस सूची में प्रमुख बदलाव रहा। जबकि मुकेश अंबानी की हिस्सेदारी करीब 8.6 प्रतिशत है।

उज्जैन में जुमे की नमाज को लेकर कड़ी सुरक्षा, संवेदनशील इलाकों में बैरिकेडिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। शाही मस्जिद के प्रभावित हिस्से को तोड़ने के दौरान सोमवार को हुए उपद्रव के पांचवें दिन शुक्रवार को उज्जैन में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। जुमे की नमाज को देखते हुए सुबह से ही शहर की सभी मस्जिदों के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस की मौजूदगी के बीच मस्जिदों में नमाज अदा की गई और इस दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। मवार को जिस क्षेत्र से पथराव हुआ था, वहां विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। शाही मस्जिद की ओर जाने वाले मार्गों पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर आवाजाही नियंत्रित की। शाही मस्जिद से करीब 500 मीटर आगे तक पुलिस की तैनाती रही। इस क्षेत्र से आगे लोगों की आवाजाही रोक दी गई थी। शाही मस्जिद की ओर जाने वाले रास्तों पर गुदरी चौराहा और कंठाल से आगे भी लोगों की आवाजाही रोकी गई।

छतरपुर में पत्नी की बेरहमी से हत्या, CCTV में कैद पूरी वारदात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर में शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे एक महिला की उसके पति और पति के दोस्त ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी। अमलतास कॉलोनी में हुई इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें महिला पर किए गए हमले का पूरा घटनाक्रम कैद है। पुलिस के मुताबिक, हमले के दौरान महिला के सिर और गर्दन पर करीब 15-20 बार चाकू से वार किए गए। आरोपी ने उसे जमीन पर पटककर लातें भी मारीं और घसीटा। सिविल लाइन पुलिस के मुताबिक, मृतका की पहचान 27 वर्षीय ज्योति चौबेसिया के रूप में हुई है। वह मूल रूप से महाराजपुर की रहने वाली थी और करीब एक महीने पहले ही अमलतास कॉलोनी में किराए के मकान में रहने आई थी। ज्योति पास के एक होटल में वेटर का काम करती थी सीसीटीवी फुटेज में ज्योति दुकान से सामान लेकर अपने घर की ओर जाती दिखाई दे रही है। कुछ दूर पहुंचने के बाद बाइक सवार दो युवक उसके पास आते हैं। बाइक पर पीछे बैठ युवक नीचे उतरता है और ज्योति पर चाकू से हमला शुरू कर देता है। वह लगातार उस पर वार करता रहता है। हमले के दौरान ज्योति जमीन पर गिर जाती है और बचाओ-बचाओ चिल्लाती है।

चारधाम यात्रा के नाम पर 145 यात्रियों को चमोली में छोड़ा, चार दिन फंसे रहे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आलीराजपुर। चारधाम यात्रा पर गए आलीराजपुर जिले के 145 यात्रियों को आधे रास्ते में उत्तराखंड के चमोली में छोड़ दिए जाने का मामला सामने आया है। यात्रियों का आरोप है कि यात्रा आयोजक ने उनसे निर्धारित राशि के अलावा रास्ते में अतिरिक्त पैसे भी लिए, लेकिन यात्रा पूरी कराने के बजाय उन्हें चमोली में छोड़ दिया गया। इसके चलते यात्री करीब चार दिन तक वहां फंसे रहे। शिकायत के बाद उत्तराखंड की चमोली पुलिस ने शुक्रवार को यात्रा आयोजक केवलदास त्यागी महाराज से पूछताछ की। बताया गया है कि पूछताछ के दौरान उसके पास से शराब की बोतलें, गांजा और आपत्तिजनक सामग्री मिली। बताया जाता है कि महाराज गुजरात के वलसाड का रहने वाला है।



महानगर मेट्रो

खाकी की लाचारी या अंधेरे में चलने वाली हफ्ताखोरी?

महाराष्ट्र-गुजरात बॉर्डर पर ‘डी-कंपनी’ की छाया में चल रहा अंडरवर्ल्ड का जुआ साम्राज्य: नवापुर के करोड़ों के जुए के अड़े पर एसपी और रेंज आईजी की मिलीभगत का पर्दाफाश !

नवापुर के सीमावर्ती अड़े पर एसपी और रेंज आईजी की आंख मूंदने की नीति से जनता में भड़का भारी रोष!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नंदुरबार। देश की आर्थिक राजधानी के करीब और दो राज्यों की सीमाओं पर कानून, संविधान और खाकी वर्दी को रौंदता हुआ एक राक्षसी अंडरवर्ल्ड साम्राज्य धमक रहा है। गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित गौमुख गांव से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित खिखड़ा गांव (महाराष्ट्र के नवापुर पुलिस स्टेशन की हद, जिला नंदुरबार) आज देश के सबसे बड़े अवैध जुए और अपराध के अड़े में तब्दील हो चुका है। इस भौगोलिक सीमा का फायदा उठाकर कुख्यात अपराधियों ने ऐसा सुरक्षित किला बना रखा है, जहां खाकी के आशीर्वाद से कानून के हाथ भी कांपते हैं!

1. बॉर्डर का ‘गोल्डन जोन’: पुलिस प्रमुखों की रहमोजिन पर राजा बने जुआरी !

विश्वसनीय स्रोतों के अनुसार, नवापुर की इस सीमावर्ती धरती पर ‘पप्पू, रईस शेख और सूरज जयसवाल’ की तिकड़ी करोड़ों रुपए का अवैध जुआ साम्राज्य चला रही है। यहां गुजरात, नासिक और मध्य प्रदेश के शांति अपराधी तथा मोस्ट वांटेड कुख्यात बेखोफ पनाह लेते हैं।

इस पूरे सिंडिकेट के तार सीधे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक जगत यानी ‘डी-कंपनी’ से जुड़े हुए हैं। मुख्य ऑपरेटर रईस शेख डी-कंपनी को सुरक्षा के एवज में रोजाना 2 लाख रुपए का भारी-भरकम हफ्ता पहुंचाता है, जिसके कारण इस अड़े



पर शराब, ड्रग्स और देह व्यापार की खुली छूट है और कोई परिदा भी पर नहीं मार सकता !

2. एसपी और रेंज आईजी की संदेहास्पद भूमिका: ‘हफ्ता वसूली’ के चक्रव्यूह में डूबी खाकी !

सवाल यह उठता है कि क्या जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) और रेंज आईजी इस महा-पाप से अनजान हैं? हकीकत यह है कि नंदुरबार जिले के एसपी इस पूरे खेल पर आंखें मूंदकर बैठे हैं। राज्य के उच्च अधिकारियों और रेंज आईजी पर सीधे सवाल उठ रहे हैं कि वे केवल ‘हफ्ता

वसूली’ के चक्रव्यूह में व्यस्त हैं।

जब महानगर मेट्रो न्यूज के प्रतिनिधि ने इस मामले की सच्चाई जानने के लिए जिले के एसपी को फोन लगाया, तब एसपी मैडम ने फोन उठाने की भी जहमत नहीं उठाई! यह बात इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि प्रशासन और अपराधियों की मिलीभगत किस हद तक गंदगी में डूबी हुई है। महीने के करोड़ों रुपए ऊपर तक पहुंचने के कारण जुआ चलाने वाले खुलेआम कानून को चुनौती दे रहे हैं।

3. खाकी के नाम पर ‘झामा’: सिर्फ नील रेड

● उग्र मांग: SIT और ACB की जांच अनिवार्य

एसआईटी जांच: इस पूरे रैकेट के पीछे के माफियाओं और अंडरवर्ल्ड के कनेक्शन की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम द्वारा उंच स्तरीय जांच होनी चाहिए।

एसबी की रेड: एसपी और रेंज आईजी की संपत्ति तथा उनकी हफ्ताखोरी के भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी कर्प्शन ब्यूरो द्वारा कड़ी जांच की जाए।

वया महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री इस ‘गब्बर के अड़े’ पर बुलडोजर चलाएं और भ्रष्ट अधिकारियों पर गाज गिराएं? ‘पावको गुजरात न्यूज’ इस भ्रष्टाचार का पर्दाफाश लगातार करता रहेगा!

कर चुनावी/तय हफ्ता वसूलती है पुलिस !

महाभ्रष्टाचार में सीधे भागीदार हैं?

‘महानगर मेट्रो न्यूज पेपर’ द्वारा नवापुर पुलिस स्टेशन के पीआई और एलसीबी को इस अवैध धंधे की पूरी कुंडली सौंप जाने के बावजूद स्थानीय पुलिस द्वारा आज तक कोई बड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की गई है?

एलसीबी और पुलिस प्रमुख द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। पुलिस स्टाफ सिर्फ दिखावे के लिए मौके पर जाकर ‘नील रेड’ (खाली हाथ औपचारिकता) करके, केवल तयशुदा हफ्ता लेकर वापस लौट आता है! क्या एसपी और रेंज आईजी की नीयत में खोट है या फिर वे इस

ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद रामगढ़ में भड़का सैनिक विद्रोह, 1400 जवान अमृतसर की ओर बढ़े

5 जून की सैन्य कार्रवाई के बाद सिख सैनिकों में बढ़ी बेचैनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। 5 जून 1984 को अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर परिसर में सेना और जरनैल सिंह भिंडरवाले के नेतृत्व वाले सशस्त्र चरमपंथियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। भिंडरवाले अपने हथियारबंद साथियों के साथ अकाल तख्त परिसर में मौजूद था। उसके समर्थकों ने अलग खालिस्तान की मांग को लेकर मोर्चा संभाल रखा था। सेना ने स्वर्ण मंदिर परिसर को चारों तरफ से घेर लिया और हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने की अपील की, लेकिन अंदर से कोई बाहर नहीं आया। रात करीब साढ़े 10 बजे सेना गुरुद्वारे के अंदर दाखिल हुई तो गोलियां चलने लगीं। सेना की बख्तरबंद गाड़ियों पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया गया।

हथियार घर का गेट तोड़ा, 1400 जवान अमृतसर की ओर निकले

10 जून 1984 को रामगढ़ सिख रेजिमेंटल सेंटर में सैकड़ों सिख सैनिकों ने हथियार घर का गेट तोड़कर हथियार और गोला-बारूद निकाल लिया। उन्हें रोकने पहुंचे ब्रिगेडियर एससी पुरी और उनके सिख ड्राइवर की गोली लगने से मौत हो गई। इसके बाद करीब 1400 हथियारबंद सैनिक वाहनों के काफिले के साथ अमृतसर की ओर बढ़ गए

कई जवान मारे गए। इसके बाद सेना ने टैंकों का इस्तेमाल करने का फैसला किया। सुबह करीब 5 बजे अकाल तख्त के ऊपरी हिस्से को निशाना बनाकर टैंकों से गोलाबारी की गई। करीब 80 गोले दागे जाने के बाद अंदर से



गोलीबारी बंद हो गई। सुबह करीब 10 बजे सेना परिसर के अंदर दाखिल हुई। अकाल तख्त के आंगन में भिंडरवाले का शव मिला।

मुंबई में CJP का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। काँकोरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मंच पर मौजूद लोग महात्मा गांधी की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। शाम तक शिवाजी पार्क में प्रदर्शनकारियों की भीड़ बनी रही। CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके भी प्रदर्शन के दौरान ट्रक पर चढ़े और लोगों को संबोधित किया। CJP ने कहा कि मुंबई पुलिस ने उनके प्रदर्शन को शांतिपूर्ण तरीके से होने दिया। संगठन की ओर से कहा गया कि मुंबई का प्रदर्शन सिर्फ ट्रेलर है और आगे जंतर-मंतर पर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। इससे पहले दिल्ली में किया था प्रदर्शन CJP ने इससे पहले 19 जून से 25 जुलाई तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर पूर्व शिक्षा



मंत्री धर्मदत्त प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने की बात कही थी। संगठन के अनुसार, 36 दिन तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि जब भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका जाते हैं, तब भी वहां भारत की गांधी के देश के रूप में कहा जाता है। उन्होंने गांधी को देश की आत्मा, आंबेडकर

को रीढ़ की हड्डी और नेहरू को दिमाग बताया। दीपके ने ‘एक देश, एक चुनाव’ के मुद्दे पर भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक नारा है और उनका आरोप है कि भाजपा ‘एक देश, एक पार्टी’ चाहती है। मुंबई में प्रदर्शन के दौरान CJP नेता सौरव दास ने दिल्ली पुलिस को लेकर भी बयान दिया।

मुंबई ट्रेलर, फाइनल जंतर-मंतर पर

शिवाजी पार्क में CJP ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। अभिजीत दीपके ने कहा कि मुंबई का प्रदर्शन सिर्फ ट्रेलर है और आगे जंतर-मंतर पर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। शबाना आज़मी ने कहा कि वोट हमारा अधिकार और हमारी आवाज़ है

44 साल बाद महिला हॉकी में भारत का स्वर्णिम कमाल, फाइनल में चीन को 1-0 से हराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शुक्रवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने चीन को 1-0 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। भारत की जीत में लालरेमसियामी का गोल निर्णायक साबित हुआ। मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने बढ़त को अंत तक कायम रखा और खिताब पर कब्जा जमाया। फर्स्ट हाफ में सविता पूनिया का शानदार बचाव फाइनल मुकाबले के दौरान भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया ने भी अहम भूमिका निभाई। फर्स्ट हाफ में चीन को पेनल्टी

स्ट्रोक मिला, लेकिन सविता पूनिया ने शानदार बचाव करते हुए उसे रोक दिया। उनके इस बचाव से भारत की बढ़त कायम रही और टीम ने मुकाबले में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। इस स्वर्ण पदक के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने लॉस एंजेलिस 2028 ओलिंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। भारत ने इससे पहले 1982 में एशियन गेम्स में महिला हॉकी का गोल्ड जीता था। उस फाइनल में भारतीय टीम ने साउथ कोरिया को हराया था। इसके बाद अब 44 साल के अंतराल के बाद भारत ने दोबारा महिला हॉकी में एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक हासिल किया है महिला हॉकी के स्वर्ण के साथ भारत के



कुल गोल्ड मेडल की संख्या 16 हो गई है और वह मेडल टैली में पांचवें स्थान पर है। शुक्रवार को भारत ने कई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया। सुबह भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने रिकर्व ईवेंट में गोल्ड जीता।

174 यात्रियों की जान बचाने वाले कैप्टन स्मित से पीएम मोदी ने की 9 मिनट बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 174 लोगों की जान बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 9 मिनट तक वीडियो कॉल पर बातचीत की। दो दिन पहले दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में हाइजैकिंग की कोशिश नाकाम करने के दौरान कैप्टन स्मित घायल हो गए थे। बताया गया कि ओमानी को-पायलट ने उन्हें चाकू मार दिया था। इसके बावजूद स्मित ने विमान का नियंत्रण बनाए रखा और उसे दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाया। प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित के साहस और सूझबूझ की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरा देश उनके लिए प्रार्थना कर रहा था और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके साहस और सूझबूझ से कई लोगों की जान बची। प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित ने बताया कि वह विमान उड़ा रहे थे और अचानक एक झटके के बाद नीचे गिर गए, जिससे उन्हें काफी चोटें आईं। इसके बावजूद उन्हें महसूस हो रहा था कि विमान नीचे जा रहा है। बातचीत के दौरान स्मित भावुक भी हो गए। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि उनका फोन आना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि प्रधानमंत्री से उनकी बात होगी और इसी भावुकता में उनकी आंखों से आंसू निकल आए। प्रधानमंत्री मोदी ने कैप्टन स्मित से कहा कि उन्होंने इतना बड़ा काम किया है कि देश का हर नागरिक और दुनिया के लोग उन्हें देखना और उनसे बात करना चाहते हैं। मोदी ने हनुमान चालीसा का जिक्र करते हुए उनकी मां गीताबेन को प्रणाम करने की बात कही और कहा कि उन्होंने अपने बेटे को ऐसे संस्कार दिए हैं। उन्होंने स्मित के पिता भूपेंद्रभाई को भी प्रणाम किया। प्रधानमंत्री ने स्मित की पत्नी सोनलबेन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने कल सोनलबेन से बात की तो वे उनकी शांति और हिम्मत देखकर हैरान रह गए। मोदी ने कहा कि ऐसी परिस्थिति में भी सोनलबेन ने जिस सहजता से बात की, वह उल्लेखनीय है। कैप्टन स्मित फिलहाल यूएई के अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें सऊदी अरब से एयरलिफ्ट करके अबू धाबी लाया गया था।



बारिश थमी, लेकिन सूपी-बिहार में बाढ़ का संकट बरकरार; लाखों लोग प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद बाढ़ का संकट कम नहीं हुआ है। गांवा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है, जबकि लखनऊ के निचले इलाकों में करीब 5 फीट तक पानी भर गया है, बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों तक में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। यहां करीब 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं और 25 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। कई इलाकों में गलियों में नावें चल रही हैं। बाढ़ के बीच दो बच्चों की डूबने से मौत भी हो गई है।नेपाल से लगातार पानी आने और 10 तटबंधों के टूटने के कारण बिहार के छह जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है।



नगर निगम चुनाव की जंग: सिर्फ 21 साल की Gen-Z कैंडिडेट मेघना रबारी बनी सेंटर ऑफ अट्रैक्शन, पहली बार वोट भी देंगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। आने वाले गांधीनगर नगर निगम चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल पूरी तरह से गरमा गया है। इस बार नगर निगम चुनावों में BJP और कांग्रेस के बीच सीधी और कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। सभी 11 वार्ड में BJP और कांग्रेस के 44 कैंडिडेट आमने-सामने हैं, जबकि आम आदमी पार्टी के 32 कैंडिडेट समेत कुल 130 कैंडिडेट मैदान में हैं। इस रोमांचक जंग के बीच कांग्रेस ने वार्ड नंबर 6 से एक ऐसा चेहरा उतारा है जिसने पूरे राजनीतिक हलकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यह चेहरा है सिर्फ 21 साल की युवा और Gen-Z कैंडिडेट मेघना राजुभाई रबारी। कांग्रेस और BJP के कुल 88 कैंडिडेट में मेघना रबारी सबसे कम उम्र की कैंडिडेट हैं। पाटन की रहने वाली और अभी गांधीनगर के स्लम एरिया गोकुलपुरा में रहने वाली मेघना OBC महिला सीट से चुनाव लड़ रही है। खास बात यह है कि जिस लड़की ने अपनी जिंदगी में कभी इस चुनाव में वोट भी नहीं दिया, और जिसका वोट देने का अनुभव भी पहला है, वह सीधे चुनाव लड़कर राजनीति में आ रही है। मेघना के परिवार की बात करें तो उनके पिता राजुभाई रबारी शहर कांग्रेस मालधारी सेल के प्रेसिडेंट हैं और अपने बड़े भाई के साथ ज्वेलर्स का बिजनेस चलाते हैं। राजुभाई पक्के कांग्रेसी हैं और उनका परिवार लंबे समय से इसी विचारधारा से जुड़ा रहा है। मेघना जिस गोकुलपुरा इलाके में रहती है, उसका इतिहास भी दिलचस्प है। दशकों पहले, कांग्रेस सरकार के दौरान इस इलाके में सिर्फ 750 रुपये में प्लॉट दिए जाते थे और सरकार ने 120 प्लॉट अलॉट करके पैसे देने की रसीद भी दी थी। जिसके आधार पर लोग यहां आकर बसे और धीरे-धीरे यह इलाका 'गोकुलपुरा' बन गया। यहां के लोगों को आज तक ज़मीन का टाइटल डीड यानी मालिकाना हक नहीं मिला है।

इनविटेशन कार्ड का लिंक खोलना व्यापारी को पड़ा भारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के कलोल के छत्राल गांव में आटे के होलसेल व्यापारी का फोन साइबर ठगों ने WhatsApp पर अनजान नंबर से 'इनविटेशन कार्ड' और 'GB Instagram APK फाइल' भेजकर हैक कर लिया। जिसके बाद 6.18 लाख रुपये से ज्यादा की रकम ऑनलाइन ट्रांसफर कर बैंक अकाउंट से उड़ाली गई। इस मामले में गांधीनगर रेंज साइबर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। कलोल में बोरिसाना रोड पर बलराम पार्क में रहने वाले और छत्राल में गरबी चौक के पास रामजी मंदिर के पास आटे का होलसेल बिजनेस करने वाले संजयकुमार नटवर पटेल 27 सितंबर की शाम को घर पर मौजूद थे, इसी दौरान उनके मोबाइल नंबर पर बैंक से पैसे डेबिट होने के मैसेज आए। वह तब हैरान रह गए जब टैडर ने कोई फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन या डीलिंग नहीं की थी, शुरुआती जांच में उन्हें पता चला कि उनके HDFC बैंक अकाउंट से कुल Rs. 2,76,975 निकाले गए हैं और उन्होंने तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके पूरी घटना को जानकारी दी।

ओला, उबर, रैपिडो और पीली नंबर प्लेट वाले वाहनों के लिए 50 रुपए ड्रॉप-ऑफ चार्ज तय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। संस्कारी नगरी अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यात्रा करने वाले आम यात्रियों और नागरिकों के लिए एक बेहद चौंकाने वाली और जेब खाली करने वाली खबर सामने आई है। एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी अदानी ग्रुप द्वारा एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करने वाले सभी कर्मशियल वाहनों के लिए 'एयरपोर्ट एक्सेस चार्ज' के नाम पर एक नया तुलसी फरमान जारी कर दिया गया है, जिससे यात्रियों और आम जनता में भारी रोष भड़क उठा है। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर रोजाना 2 से 3 हजार कर्मशियल वाहन और टैक्सियां यात्रियों को छोड़ने के लिए आती हैं। अदानी मैनेजमेंट के इस नए नियम के मुताबिक अब ला उबर , रैपिडो और सभी पीली नंबर प्लेट वाले कर्मशियल केब वाहनों पर सीधा 50 रुपए का ड्रॉप-ऑफ चार्ज थोप दिया गया है। यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ: एयरपोर्ट पर कैब या टैक्सी से जाकर फ्लाइट पकड़ने वाले यात्रियों को अब राइड के किराए के अलावा इस अतिरिक्त चार्ज की भी कीमत चुकानी होगी, जिससे आम जनता की कमर टूट गई है। सिर्फ ड्रॉप-ऑफ ही नहीं, बल्कि पिक-अप के लिए भी अदानी ग्रुप ने बेहद लुटमार और सख्त नीति अपनाई है। एयरपोर्ट पर पैसंजर को रिसीव करने आने वाले वाहनों के लिए मात्र 8 मिनट का समय तय किया गया है। यदि कोई वाहन पिक-अप जोन में 8 से 30 मिनट तक रुक जाता है, तो उस पर सीधा 150 रुपए का भारी-भरकम चार्ज वसूल किया जाएगा। अदानी ग्रुप द्वारा एयरपोर्ट की सुविधाओं के नाम पर आम जनता और पर्यटकों से इस प्रकार के असह्य और मनमाने चार्ज वसूले जाने से लोगों में तीव्र गुस्सा देखा जा रहा है। ऐसे में यह नया 'एयरपोर्ट एक्सेस चार्ज' सीधे तौर पर आम नागरिकों की जेब पर डाक़ा और अदानी समूह की अन्यायपूर्ण टूट के समान है।

एम.एस. यूनिवर्सिटी के पास नियमों की धज्जियां उड़ने वाले अवैध तंबाकू विक्रेताओं पर चला बुलडोजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। संस्कारी नगरी वडोदरा के जाने-माने और व्यस्त फतेहगंज इलाके में प्रशासन द्वारा एक बेहद आक्रामक और ताबड़तोड़ कार्रवाई का अभियान शुरू किया गया है। एम.एस. यूनिवर्सिटी और तमाम शैक्षणिक संस्थानों के आसपास के इलाकों में धड़ल्ले से बेचे जा रहे नशीले पदार्थों, तंबाकू और गंदगी फैलाने वाले लारी-गल्ला धारकों के खिलाफ नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा हंटर चलाया है। देश के युवा धन और विद्यार्थियों को बर्बाद करने वाले इन असामाजिक तत्वों पर प्रशासनिक तंत्र के इस प्रहार से हड़कंप मच गया है। स्कूल और कॉलेजों के आसपास के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू या अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर कानूनी पाबंदी होने के बावजूद नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही थीं। COTPA एक्ट के प्रावधानों की धज्जियां उड़ने वाले इन व्यापारियों के खिलाफ पालिका की अतिक्रमण (दबाव) शाखा ने कड़ा रुख अपनाया है: 3 लारियां कब्जे में ली गईं: यूनिवर्सिटी और मुख्य मार्गों पर अवैध रूप से तंबाकू और गुटखा बेचने वाली 3 लारियों को अतिक्रमण शाखा द्वारा जब्त कर लिया गया है। संयुक्त छापेमारी: अतिक्रमण शाखा, स्वास्थ्य विभाग और फूड सेफ्टी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया, जिससे अवैध धंधा करने वालों में भगदड़ मच गई। सिर्फ तंबाकू ही नहीं, बल्कि फतेहगंज इलाके में स्वच्छता के नियमों को ताक पर रखकर गंदगी फैलाने वाले व्यापारियों और संस्थानों पर भी गाज गिरा है। स्वच्छता अभियान के तहत चेकिंग: पालिका की स्वच्छता और फूड सेफ्टी टीम द्वारा इलाके के होटलों, कैटीनों और खानपान की लारियों की सफा जांच की गई। सार्वजनिक रूप से गंदगी फैलाने और हाइजीन के नियमों का पालन न करने वाले प्रतिष्ठानों को मौके पर ही नोटिस भेजा गए और भारी जुर्माना वसूला गया स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों द्वारा लंबे समय से यह शिकायतें मिली थीं कि यूनिवर्सिटी और परिसर के आसपास खुलेआम तंबाकू और गुटखा बिकने के कारण छत्र-छत्राएं नशे की लत की गिरफ्त में आ रहे हैं।

CAG रिपोर्ट का बड़ा धमाका

गुजरात की CAG रिपोर्ट में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और देरी का पर्दाफाश; जल जीवन मिशन से लेकर अधूरे प्रोजेक्ट्स तक में जनता की गाढ़ी कमाई धुएं में उड़ी!

करोड़ों-अरबों की बर्बादी से जनता के हितों पर कुठाराघात

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन	तिजोरी से कर दिया गया अनधिकृत खर्च।
अहमदाबाद। देश और राज्य की वित्तीय व्यवस्था पर पैनी नजर रखने वाली सर्वोच्च संस्था कम्प्यूटर एंड ऑडिटर जनरल की हलिया रिपोर्टों से एक बेहद चिंताजनक और आँखें खोल देने वाली तस्वीर सामने आई है। गुजरात राज्य के वित्तीय ऑडिट प्रतिवेदनों, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न सरकारी अभियानों में करोड़ों और अरबों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं, खामियों और भारी-भरकम देरी के आंकड़े उजागर हुए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि यदि इस अपरा राशि की बर्बादी रोकी गई होती, तो आम जनता के कल्याण के लिए कितने नए विकास कार्य धरातल पर उतर सकते थे?	7,477.97 करोड़ — 176 अधूरे प्रोजेक्ट्स: उचित योजना के अभाव या समय पर काम पूरा न होने के कारण 176 जितने प्रोजेक्ट्स अधर में लटके हुए हैं, जिसमें जनता का अरबों का फंड फंसकर बेकार साबित हो रहा है। 7,431.84 करोड़ – यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट्स बाकी: अनुदान से संबंधित हजारों (4,258) उपयोगिता प्रमाण पत्र अभी तक जमा ही नहीं कराए गए हैं, जो पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े करते हैं।
‘सरकारी पैसा सरकार का नहीं, यह जनता के पसीने की कमाई है!’	

हालाँकि इन सभी आंकड़ों को सीधे तौर पर जोड़कर एक ही 'बड़ा घोटाला' कह देना तकनीकी रूप से उचित नहीं है, क्योंकि हर आंकड़े की प्रकृति, समयावधि और कारण अलग-अलग हैं। लेकिन मूल और सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि इस भारी-भरकम रकम की बर्बादी, प्रोजेक्ट्स में असहनीय देरी और वित्तीय अनियमितताएं न हुई होतीं, तो गुजरात की जनता को कितना बड़ा लाभ मिलता?

इस फंड से राज्य के कोने-कोने में कितनी ही आधुनिक स्कूलें, अत्याधुनिक अस्पताल, गरीबों के लिए पक्के मकान (आवास), शुद्ध पेयजल की स्थायी व्यवस्थाएं और विकास के अनगिनत प्रोजेक्ट्स समय पर पूरे हो सकते थे। जनता के कर (टैक्स) से एकत्र होने वाली बुनियादी पूंजी इस

अरावली में फिल्मी दृश्य: LCB और कुख्यात बिश्नोई गैंग के बीच आमने-सामने ताबड़तोड़ फायरिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अरावली। अरावली जिले से अपराध और नशे के काले कारोबार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए अरावली पुलिस ने एसपी मनोहर्सिंह जडेजा के मार्गदर्शन में एक बेहद खतरनाक और सार्वसिक ऑपरेशन को अंजाम दिया है। जिले के मालपुर तालुका के मोर डूंगरी गांव के पास लोकल क्राइम ब्रांच और कुख्यात

बिश्नोई गैंग के बीच पुलिस और बदमाशों के बीच आमने-सामने जबरदस्त मुठभेड़ और फायरिंग की सनसनीखेज घटना सामने आई है। स्कॉर्पियो गाड़ी में अवैध रूप से पोषडोडा (नशीला पदार्थ) की भारी खेप तस्करी कर ला रही इस सिर्फिकेट पर जब पुलिस ने शिकंजा कसा, तो गैंग के अपराधियों ने पुलिस दल पर हमला बोल दिया। इसके जवाब में पुलिस ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए

जवाबी कार्रवाई की और एक बदमाश को ढेर कर दिया।अरावली जिले के एसपी मनोहर्सिंह जडेजा के कड़े आदेशों के बाद से जिले में नाइट पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान, LCB के पीआई एम.एच. झाला को पुछ्ता खुफिया इनपुट मिला था कि कुख्यात बिश्नोई गैंग के अपराधी जिले के अंदरूनी और वीरान रास्तों का इस्तेमाल करके स्कॉर्पियो गाड़ी में पोषडोडा के

अवैध नशे का जत्था ले जा रहे हैं। इस सूचना के आधार पर एलसीबी की टीम ने मालपुर तालुका के मोरडूंगरी गांव के पास कड़ी नाकाबंदी कर दी। जैसे ही संदिग्ध स्कॉर्पियो कार वहां से गुजरी, पुलिस दल ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन बदमाशों ने कानून की परवाह किए बिना सीधे पुलिस को चुनौती दे डाली। पुलिस से बचकर भागने की फिराक में बैठे बिश्नोई गैंग के बदमाशों ने आवेश में



आकर अचानक पुलिस जीप पर दो राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

वडोदरा के रावपुरा में LCB की रेड: सूरसागर के पास बदनाम वर्ली मटका अड़े पर रेड, हनीफभाई भिंडावाला गिरफ्तार

हानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। जिला पुलिस चीफ और लोकल एजेंसियों ने कल्चरल सिटी वडोदरा में असामाजिक तत्वों और गैर-कानूनी कामों में शामिल लोगों पर शिकंजा कस दिया है। एक टिप-ऑफ पर कार्रवाई करते हुए, लोकल क्राइम ब्रांच की एक टीम ने वडोदरा के व्यस्त और संवेदनशील रावपुरा इलाके में वर्ली मटका गैबलिंग अड्डे पर रेड मारी। पुलिस ने शहर के सेंट्रल हब सूरसागर इलाके में चल रहे इस गैर-कानूनी खेल का भंडाफोड़ किया है और एक मुख्य आरोपी को रोी हाथों पकड़ा है। LCB टीम को खास जानकारी मिली थी कि रावपुरा पुलिस स्टेशन इलाके में आने वाली सूरसागर झील के आसपास की जगह में वर्ली मटका गैबलिंग खेला जा रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस झ ने जाल बिछाने में देर नहीं की और अचानक सूरसागर के पास एक संदिग्ध जगह पर अचानक रेड मारी। पुलिस के अचानक

तेजी से पहुंचने से जुआरियों में भगदड़ मच गई। इस अचानक हुई पुलिस कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने हनीफभाई भिंडावाला नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो मौके से वर्ली मटका जुआ खेल रहा था और हिसाब-किताब रख रहा था। मौके से कड़ी जांच करने के बाद, पुलिस ने कैश और जुए का सामान जब्त किया अलग-अलग नंबर लिखी संदिग्ध पर्चियां, ग्राहकों से संपर्क करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक मोबाइल फोन और आरोपी की एक्टिवा गाड़ी। कुल कीमत: इस तरह, पुलिस ने कुल 48,480 का सामान जब्त किया है और कानूनी कार्रवाई शुरू की है। रावपुरा पुलिस स्टेशन में जुर्म दर्ज



फैला हुआ है। पुलिस की इस रेड आई ने वडोदरा के बूटलेगरों और जुआरियों में काफी दहशत फैला दी है।

बोदकदेव में चाकू से हमला करने वाले मोस्ट वांटेड दिनेश चंद्र मीणा को राजस्थान से पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस ने शहर के पोश इलाके माने जाने वाले बोदकदेव में रात में हुए सनसनीखेज चाकू से हमले और सोला इलाके में हुई चोरी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक कुख्यात राजस्थानी गैंग के मोस्ट वांटेड आरोपी को पकड़ने में बड़ी और सफल कामयाबी हासिल की है। जोन 7 LCB और बोदकदेव पुलिस स्टेशन की जॉइंट टीम ने फिल्मी स्टाइल में ऑपरेशन चलाकर आरोपी को राजस्थान से पकड़ा है।अहमदाबाद के बोदकदेव इलाके में कुख्यात तस्करों ने रात के अंधेरे में एक घर में घुसकर बड़ी वारदात को अंजाम दिया, मासूम नागरिकों को चाकू की धार से डरा दिया, जिस घटना से पूरे शहर में हड़कंप मच गया। इसी कुख्यात गैंग ने पहले भी सोला इलाके में एक बंद घर को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की थी। यह गैंग पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया। पुलिस जांच के दौरान, टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर, खास



जानकारी मिली कि इस क्राइम का मुख्य मास्टरमाइंड और मोस्ट वांटेड आरोपी राजस्थान के सर्लुंबर जिले में अपने होमटाउन में छिपा हुआ है। इस जानकारी के आधार पर, जोन 7 LCB और बोदकदेव पुलिस की एक स्पेशल टीम राजस्थान के लिए रवाना हुई। आरोपी दिनेश चंद्र मीणा पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार अपना सहारा और

लोकेशन बदल रहा था। पुलिस को देखकर वह भाग न जाए, इसके लिए पुलिसवालों ने आम नागरिक और लोकल मजदूरों का भेष बदल लिया। पुलिस ने राजस्थान के सर्लुंबर जिले के जलारा गांव में बहुत सावधानी से निगरानी रखकर अचानक घेराबंदी की और कुख्यात आरोपी दिनेश चंद्र मीणा को पकड़ लिया। बड़े राज सुलझने की संभावना राजस्थानी गैंग के इस मेन आरोपी की गिरफ्तारी से अहमदाबाद शहर में हुए दूसरे अनसुलझे क्राइम के राज भी खुलने की पूरी संभावना है। पुलिस ने आरोपी से कड़ी पूछताछ की है, जिसमें उसके दूसरे साथियों और क्रिमिनल हिस्ट्री के बारे में चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

‘सरकारी पैसा सरकार का नहीं, जनता का है—तो फिर जवाबदेही कौन तय करेगा?



AG बोलता है, पर सुनता कौन है? जवाबदेही कौन तय करेगा?

CAG जैसी संवैधानिक संस्था अपनी जिम्मेदारी निभाकर सरकार के समक्ष रिपोर्ट पेश कर देती है, लेकिन सवाल यह है कि इन रिपोर्टों के सामने आने के बाद दोषियों के खिलाफ कब और कैसे कड़े कदम उठाए जाएंगे? जनता के एक-एक पाई का हिसाब रखने की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर है, वे इन वित्तीय विसंगतियों पर आँखें क्यों मूँद रहे हैं? अब जनता केवल आंकड़े देखने को तैयार नहीं है, बल्कि कसूरवारों के खिलाफ सटीक जवाबदेही तय हो और भविष्य में जनता के पैसों की इस तरह की बेहिसाब बर्बादी रुके, ऐसी सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है।

प्रकार बर्बाद हो, यह लोकतंत्र का सबसे दुखद पहलू है।

दहेगाम म्युनिसिपैलिटी के जनरल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रेगुलेशन बहुमत से पास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले की दहेगाम म्युनिसिपैलिटी की जनरल मीटिंग गुरुवार को म्युनिसिपैलिटी ऑफिस के मीटिंग हॉल में हुई, जिसमें शहर में सफाई बनाए रखने और राज्य सरकार के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रेगुलेशन 2026 को स्वीकार करने और उसे सख्ती से लागू करने के मुख्य उद्देश्य पर चर्चा हुई। इस मीटिंग के दौरान, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के सल्लुंबर जिले के जलारा गांव में बहुत सावधानी से निगरानी रखकर अचानक घेराबंदी की और कुख्यात आरोपी दिनेश चंद्र मीणा को पकड़ लिया। बड़े राज सुलझने की संभावना राजस्थानी गैंग के इस मेन आरोपी की गिरफ्तारी से अहमदाबाद शहर में हुए दूसरे अनसुलझे क्राइम के राज भी खुलने की पूरी संभावना है। पुलिस ने आरोपी से कड़ी पूछताछ की है, जिसमें उसके दूसरे साथियों और क्रिमिनल हिस्ट्री के बारे में चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

सरकारी स्कूल के एक बिगड़े मैथ टीचर ने 14 साल की लड़की को नंबरों का लालच देकर उसके साथ रेप किया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। संस्कृति और शिक्षा की जन्मभूमि माने जाने वाले गुजरात में गुरु और शिष्य के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाली रंगीन राजकोट से एक बहुत ही धिनीनी, धिनीनी और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। राजकोट के एक सरकारी स्कूल के बिगड़े मैथ टीचर का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, जो लंबे समय से एक 14 साल की मासूम लड़की को अच्छे नंबरों से एग्जाम पास कराने का लालच देकर फेल करने की धमकी देता था। इस शर्मनाक घटना से पूरे शिक्षा जगत और अभिभावकों में गुस्से की आग भड़क गई है। वह उसे मैथ्स सब्जेक्ट में फेल करने की धमकी देकर चार महीने तक उससे छेड़छाड़ करता रहा। मिली जानकारी के अनुसार, राजकोट के गवर्नमेंट मदर टेरेसा स्कूल नंबर 88 में मैथ्स पढ़ाने वाला बिगडैल टीचर मोहित टांक लंबे समय से 14 साल की नाबालिग लड़की पर नज़र रख रहा था। नंबरों का लालच और ब्लैकमेल: टीचर ने लड़की को मैथ्स सब्जेक्ट में अच्छे नंबरों से पास कराने का लालच दिया था। इतना ही नहीं, अगर वह उसकी बात नहीं मानती तो वह उसे बोर्ड या स्कूल एग्जाम में फेल कर देगा और उसका भविष्य बर्बाद कर देगा। चार महीने तक करता रहा रेप: आरोपी टीचर पिछले चार महीने से नाबालिग को 'किताब भूल गई' या किसी और बहाने से अपने फ्लैट पर ले जाकर डरा-धमकाकर रेप कर रहा था। यह सिलसिला एकेडमिक सेशन खत्म होने तक चलता रहा। घर लौटने के बाद, उसकी बेटी लगातार गुमसुम, डरी हुई और मानसिक तनाव में रहती थी, इसलिए उसकी मां को शक हुआ। जब मां ने प्यार से पूछा तो मासूम बेटी ने आपबीती सुनाई, जिसे सुनकर परिवार के पैरों तले से ज़मीन खिसक गई।

जिला कलेक्टर के नेतृत्व में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत हुआ श्रमदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पवन अवसर पर पूरे शहर में स्वच्छता और सेवा के भाव के साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में जिला कलेक्टर रोहितारव सिंह तोमर के प्रेरणादायी नेतृत्व में जिला प्रशासन, अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों ने बड़-चढ़कर श्रमदान किया और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यर्पण और श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसके बाद जिला कलेक्टर रोहितारव सिंह तोमर की अगुवाई में प्रशासनिक अमले और जनप्रतिनिधियों ने निर्धारित क्षेत्र में झाड़ू धामकर श्रमदान किया। इस दौरान रास्तों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गई तथा लोगों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया। श्रमदान के उपरांत जिला कलेक्टर रोहितारव सिंह तोमर ने उपस्थित सभी नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। यदि हम सब मिलकर अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल को साफ रखेंगे, तो एक स्वस्थ और आदर्श समाज की नींव स्वतः मजबूत होगी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने देश को आजादी के साथ-साथ स्वच्छता का जो मार्ग दिखाया था, उसे आज जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। लाल बहादुर शास्त्री के सादगी और कर्मठता के संदेश को आत्मसात करते हुए समाज के हर वर्ग ने इस अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों और युवाओं ने श्रमदान अभियान में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रशासन की इस पहल से शहर में स्वच्छता के प्रति एक सकारात्मक माहौल देखने को मिला, जिससे आने वाले दिनों में और अधिक लोगों के जुड़ने की उम्मीद है।

9 साल से फाइलों में अटकी भारतमाला परियोजना, माउंट आबू को अब भी वैकल्पिक मार्ग का इंतजार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू (सिरोही)। राजस्थान के एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू को देश-दुनिया से बेहतर सड़क कनेक्टिविटी देने के लिए प्रस्तावित भारतमाला परियोजना पिछले करीब 9 वर्षों से फाइलों में अटकी हुई है। किवरली से तलहटी होते हुए गुरुशिखर तक वैकल्पिक मार्ग विकसित करने की यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर उतरती है तो माउंट आबू को एक वैकल्पिक सड़क मार्ग मिलने के साथ पर्यटन गतिविधियों को भी नई गति मिल सकती है। लेकिन वर्षों पहले शुरू हुईं सर्वे और डीपीआर की कवायद के बावजूद परियोजना अब तक आगे नहीं बढ़ सकी है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2016-17 में भारतमाला परियोजना के तहत किवरली से तलहटी होते हुए गुरुशिखर तक नया मार्ग विकसित करने की योजना बनाई थी। इसके लिए प्राथमिक सर्वे, विभागीय बैठकों और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। योजना को लेकर अलग-अलग स्तर पर कवायद हुई, लेकिन बाद में मार्ग और निर्माण से जुड़े विभिन्न मुद्दों के कारण मामला उलझता चला गया। इसके बाद यह परियोजना कागजों से बाहर नहीं निकल सकी। प्रस्तावित योजना के तहत किवरली से गुरुशिखर तक करीब 41 किलोमीटर लंबा मार्ग विकसित किया जाना था। इसमें बनारस नदी पर एक बड़ा पुल और पांच छोटे पुल बनाने की योजना शामिल थी। इसके अलावा मार्ग के 33 खतरनाक मोड़ों में सुधार, सुरक्षा दीवारों का निर्माण, जल निकासी के लिए नालियां और बड़े जंक्शन विकसित करने का प्रस्ताव था। बाद में तरतोली-मानपुर की ओर से मार्ग ले जाने का सुझाव सामने आया। इसी दौरान रेलवे लाइन पर ओवरब्रिज या अंडरपास बनाने को लेकर संबंधित विभागों के बीच सहमति नहीं बन सकी। इसके चलते परियोजना की गति थम गई और महत्वकांक्षी योजना लंबे समय से अधर में है। माउंट आबू तक पहुंचने के लिए वर्तमान में आबूरोड-माउंट आबू सड़क मार्ग ही प्रमुख और एकमात्र रास्ता है। रियासतकाल में राजा-महाराजाओं के ग्रीष्मकालीन प्रवास के लिए बनाई गई कांटेरोड को बाद में ब्रिटिश शासनकाल में एकराफा सड़क मार्ग के रूप में विकसित किया गया था। करीब साढ़े तीन दशक पहले इस मार्ग को चौड़ा भी किया गया, लेकिन लगातार बढ़ते यातायात के कारण दबाव की स्थिति बनी हुई है। माउंट आबू में आर्मी, एयरफोर्स, सीआरपीएफ की आंतरिक सुरक्षा अकादमी और इसरो जैसी महत्वपूर्ण संस्थाएं भी स्थित हैं। ऐसे में यहाँ वैकल्पिक सड़क मार्ग की जरूरत केवल पर्यटन के लिहाज से ही नहीं, बल्कि यातायात और आपातकालीन परिस्थितियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है।

माउंट आबू में 44 साल बाद फिर राठौड़ परिवार की वापसी, दादा के पद पर पोते की तैनाती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू (सिरोही)। पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में एक ऐसा संयोग सामने आया है, जिसने राठौड़ परिवार की करीब 44 वर्ष पुरानी यादों को फिर से ताजा कर दिया है। पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र सिंह राठौड़ की तैनाती उसी पद पर हुई है, जिस पद पर करीब साढ़े चार दशक पहले उनके दादा दिवंगत रघुनाथ सिंह राठौड़ सेवाएं दे चुके हैं। जितेंद्र सिंह राठौड़ ने करीब एक माह पहले माउंट आबू में पुलिस उपाधीक्षक का कार्यभार संभाला है। जोधपुर जिले के गिलाकोर गांव निवासी राठौड़ परिवार के लिए यह नियुक्ति खास मायने रखती है। उनके दादा रघुनाथ सिंह राठौड़ वर्ष 1981-82 में माउंट आबू में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर कार्यरत रहे थे। अब करीब 44 वर्ष बाद परिवार की दूसरी पीढ़ी के रूप में उनके पोते जितेंद्र सिंह राठौड़ को भी उसी स्थान पर और उसी पद पर पुलिस सेवा करने का अवसर मिला है। दादा के कार्यकाल से जुड़ी पुरानी यादों के बीच पोते की उसी पद पर तैनाती परिवार के लिए एक यादगार संयोग बन गई है। एक ही परिवार की दो पीढ़ियों का माउंट आबू में इसी पद पर सेवाएं देना अपने आप में खास घटनाक्रम है। इससे परिवार के पुराने जुड़ाव और पुलिस सेवा से जुड़ी स्मृतियां एक बार फिर सामने आ गई हैं। माउंट आबू राजस्थान का प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां देश-विदेश से पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में पुलिस उपाधीक्षक के पद की जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण हती हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ पर्यटकों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और स्थानीय नागरिकों के साथ बेहतर पुलिस समन्वय पुलिस प्रशासन के लिए प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल हैं। जितेंद्र सिंह राठौड़ के लिए भी माउंट आबू में तैनाती इसलिए खास है, क्योंकि करीब 44 वर्ष पहले इसी स्थान पर उनके दादा ने पुलिस उपाधीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं।

‘एक दिन-एक घंटा’ कार्यक्रम में मुख्य द्वार और आसपास के क्षेत्रों की सफाई, ईको क्लब ने बढ़ाई जागरूकता

स्वच्छता अभियान में छात्रों ने किया श्रमदान, दिया स्वच्छ परिसर का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, माउंट आबू में ‘स्वच्छता ही सेवा’ अभियान के तहत ‘एक दिन-एक घंटा’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के ईको क्लब की ओर से आयोजित इस अभियान में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विद्यालय के मुख्य द्वार तथा आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कर श्रमदान किया।अभियान के दौरान छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर विद्यालय परिसर तथा आसपास से कचरा एकत्र किया और उसे निर्धारित स्थान पर निस्तारित किया। इस दौरान सभी ने स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।

अभियान के माध्यम से ‘स्वच्छ परिसर-सुंदर भविष्य’ की भावना को भी विद्यार्थियों तक पहुंचाया गया।

ईको क्लब ने बढ़ाई स्वच्छता की जागरूकता

विद्यालय के ईको क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामुदायिक भागीदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रसिपल ओमप्रकाश जाखड़ के मार्गदर्शन



में ईको क्लब प्रभारी नवरत्न पंवार के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। विद्यालय के मुख्य द्वार और आसपास के क्षेत्रों में सफाई के दौरान विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान किया और स्वच्छता के

महत्व को समझा। कार्यक्रम में स्वच्छता सेनानी गोपाल चंद, पूजा और भावना ने भी सहभागिता की। उनके साथ शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया और सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। प्रिसिपल ओमप्रकाश जाखड़ ने छात्रों को स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने

विद्यार्थियों से अपने आसपास साफ-सफाई रखने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

पंचायत चुनाव की तरीखों का इंतजार खत्म होने के आसार, शनिवार को आयोग की बड़ी घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में पंचायती राज चुनाव 2026 की तरीखों का लंबे समय से इंतजार कर रहे लोगों के लिए शनिवार का दिन अहम रहने वाला है। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायती राज चुनाव-2026 को लेकर शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 3 बजे जयपुर स्थित शासन सचिवालय के विकास खंड में पंचायती राज सभागार में आयोजित होगी। आयोग की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंचायत चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं होने की संभावना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आयोग की ओर से चुनाव कार्यक्रम, मतदान के चरणों और चुनाव को लेकर की गई तैयारियों के संबंध में जानकारी दी जा सकती है। लंबे समय से पंचायत चुनाव की तरीखों की प्रतीक्षा कर रहे लोगों की नजर अब आयोग की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हुई है। माना जा रहा है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही प्रदेश में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो सकती है। हालांकि, आचार संहिता कब से प्रभावी होगी और चुनाव किस कार्यक्रम के तहत कराए जाएंगे, इसकी स्थिति आयोग की आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगी। राज्य निर्वाचन आयोग पंचायत चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। प्रदेश में पंचायत चुनाव चार चरणों में होने की संभावना जताई जा रही है। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए ईवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा, जबकि ग्राम पंचायतों के वाई सदस्यों और सरपंचों के चुनाव मतपत्रों के जरिए कराए जाएंगे। प्रदेश में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के कुल 1 लाख 40 हजार 237 वाई सदस्यों तथा 14 हजार 403 सरपंचों का चुनाव होना है।



ईडब्ल्यूएस आंदोलन के बीच नारायण बेनीवाल के बयान से राजस्थान की सियासत में नई चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान की सियासत में इन दिनों ईडब्ल्यूएस के मुद्दे को लेकर चल रही गतिविधियों के बीच एक नई राजनीतिक चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के ईडब्ल्यूएस सरलीकरण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े अभियान के बीच अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या आने वाले समय में भाटी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता नरनाम बेनीवाल एक मंच पर नजर आ सकते हैं?इस चर्चा को उस समय और हवा मिली, जब एक साक्षात्कार के दौरान राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता और पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल से रविंद्र सिंह भाटी के ईडब्ल्यूएस को लेकर चल रहे आंदोलन और यात्रा के संबंध में सवाल किया गया। जवाब में नारायण बेनीवाल ने जनहित के मुद्दों पर साथ आने की बात कही। उनके बयान को भाटी के अभियान के प्रति सकारात्मक राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। नारायण बेनीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी हर उस अच्छे मुद्दे और व्यक्ति के साथ खड़ी है, जो जनहित की बात करता है। उन्होंने कहा कि जब व्यवस्था में समानीकरण और सभी लोगों को समान अधिकार देने की बात आती है, तो ऐसे मुद्दों पर पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। नारायण बेनीवाल के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में भाटी और बेनीवाल के बीच संभावित नजदीकी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।



अहमदाबाद के स्कूल में खतरनाक बवंडर: वलास में घूरने की शिकायत पर भड़के शिक्षक छात्र को मारने दौड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। संस्कारी नगरी अहमदाबाद के पूर्वी इलाके बापूनगर से शिखा जगत को झकझोर कर रख देने वाली और रोंगटे खड़े कर देने वाली एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आई है। शहर के एक जाने-माने स्कूल के क्लासरूम में शुरू हुआ मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि पूरा स्कूल कैपस अखाड़े में तब्दील हो गया। क्लास में एक छात्रा को घूरने के मामले को लेकर शुरू हुई कहामुनी में शिक्षक ने छात्र को समझाने के बजाय हिंसक रवैया अपनाया, जिसके बाद गुस्से में आगबबूला हुए नाबालिग छात्र ने अपने ही दोस्त को बेरहमी से पीटकर बेहोश कर दिया और एक अन्य छात्र की साइकिल तोड़कर जमकर आतंक मचाया। इस गंभीर और विवादित मामले में स्कूल प्रबंधन ने सख्त कदम उठाते हुए अल्पसंख्यक समाज के उस नाबालिग छात्र को तुरंत प्रभाव से स्कूल से बाहर का रास्ता दिखाते हुए एलसी (स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट - LC) थमा दिया है। प्राप्त विवरण के अनुसार, स्कूल के क्लासरूम में पढ़ाई के दौरान एक छात्रा ने सहपाठी नाबालिग छात्र पर गंभीर आरोप लगाया कि वह उसे लगातार घूर रहा है या ताक रहा है। छात्रा ने इस बात की शिकायत तुरंत क्लास के शिक्षक से कर दी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि मामले को शांत कराने के बजाय संबंधित शिक्षक का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। शिक्षक ने छात्र को प्यार से समझाने या डांटने के बजाय सार्वजनिक रूप से उसे धमकाना शुरू कर दिया और गुस्से में आकर उसे मारने के लिए उसकी तरफ दौड़े। शिक्षक का यह आक्रामक और अशोभनीय व्यवहार देखकर पूरी क्लास के विद्यार्थियों में खौफ फैल गया और माहौल भारी तनावपूर्ण हो गया।



श्रीमहन्त नारायण गिरि जी महाराज ने किया ‘घर-घर गंगाजल अभियान’ का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

व्यावर। अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना द्वारा सनातन संस्कृति एवं मां गंगा के प्रति जन-जन में श्रद्धा और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए ‘घर-घर गंगाजल अभियान’ का शुभारंभ गाजियाबाद स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर में हुआ। संघटन के राष्ट्रीय संरक्षक एवं सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, श्री पंचदशनाम जुना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता तथा दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहन्त नारायण गिरि जी महाराज ने अभियान का विधिवत शुभारंभ कर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सोनी एवं ‘घर-घर गंगाजल अभियान’ के संयोजक नाहर सिंह चुंडावत ने सिद्धपीठ पहुंचकर भगवान श्री दूधेश्वर नाथ महादेव के दर्शन किए तथा श्रीमहन्त नारायण गिरि जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत पवित्र गंगाजल से भगवान श्री दूधेश्वर नाथ महादेव का अभिषेक एवं विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। श्रीमहन्त



नारायण गिरि जी महाराज ने अभियान का सराहना करते हुए कहा कि मां गंगा केवल एक पवित्र नदी ही नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और करोड़ों भारतीयों की आस्था का जीवंत स्वरूप है। गंगाजल जन्म से लेकर जीवन के अंतिम संस्कार तक हमारी धार्मिक परंपराओं और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। वेद-पुराणों में मां गंगा की महिमा का वर्णन मिलता है और सदियों से संत-महात्माओं ने गंगा की पवित्रता तथा उसके संरक्षण का संदेश समाज को दिया है। महाराज श्री ने कहा कि भगवान शिव और मां गंगा का संबंध सनातन धर्म में अत्यंत पवित्र एवं अद्वितीय है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने मां गंगा के प्रचंड वेग को

जालोर में गांधी जयंती पर गूंजे प्रिय भजन और रामधनु, प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया बापू को नमन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर जालोर जिला मुख्यालय सहित जिले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय पर सुबह जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी स्मारक पर मुख्य समारोह हुआ। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया समारोह में जिला कलेक्ट्रेट डॉ. प्रदीप के. गवाड़े, एसडीएम मनोज कुमार, डीएसपी गौतम जैन और नगर परिषद सभापति बंशीलाल माली सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने गांधी प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित की। इसके बाद कलेक्ट्रेट परिसर में महात्मा गांधी के प्रिय भजनों और रामधनु का आयोजन किया गया।

मजनों और रामधनु से गूंजा कलेक्ट्रेट परिसर

कार्यक्रम में सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और स्थानीय कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों और कलाकरों की

प्रस्तुतियों से कलेक्ट्रेट परिसर का माहौल गांधीमय हो गया। इस दौरान कई स्कूली बच्चे महात्मा गांधी की वेशभूषा में कार्यक्रम में पहुंचे। गांधीजी की वेशभूषा में पहुंचे बच्चे समारोह में आकर्षण का केंद्र रहे।

विद्यार्थियों को गांधी के विचारों का संदेश

समारोह को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गवाड़े ने विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के जीवन और उनके विचारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने गांधीजी के अहिंसा के सिद्धांत और उनके बताए मार्ग के महत्व को समझाते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। गांधी जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट में आयोजित मुख्य कार्यक्रम से पहले शहर में रैली भी निकाली गई। रैली नगर परिषद से रवाना हुई और शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जालोर कलेक्ट्रेट पहुंची। रैली में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद गांधी जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में



जिला शिक्षा अधिकारी भंवरलाल, पार्षद बसंत सुधार, सुरेश मेघवाल, जबर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं की भी कार्यक्रम में सहभागिता रही।

भैंसवाड़ा में पिस्टल दिखाकर रुपए लूटने की दी थी सूचना, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर नकदी और लोडिंग टैंपो किया बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आहोर (जालोर)। आहोर थाना क्षेत्र के भैंसवाड़ा में डेढ़ लाख रुपए की लूट की झूठी सूचना देने के मामले में पुलिस ने अरबाज खां (24) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटे जाने की बताई गई 1.50 लाख रुपए की नकदी बरामद करने के साथ घटना में इस्तेमाल लोडिंग टैंपो भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर कर्ज था और रुपए हड़पने की नीयत से उसने लूट की झूठी कहानी रची थी। पुलिस के अनुसार 30 सितंबर 2026 की शाम आहोर निवासी अरबाज खां पुत्र सतार खां ने 100 नंबर पर कॉल कर जालोर कंट्रोल रूम को सूचना दी थी। उसने बताया कि भैंसवाड़ा में दी अज्ञात व्यक्ति बाइक से आए और उसके साथ मारपीट करने के बाद पिस्टल दिखाकर धमकाया। आरोप था कि दोनों बदमाश उससे 1.50 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अरबाज को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद पुलिस ने उससे घटना के संबंध में पूछताछ की। आहोर पुलिस उपाधीक्षक और थानाधिकारी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को घटनास्थल की स्थिति और अरबाज के बयानों में विरोधाभास नजर आया।



इसके बाद पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू की और आरोपी से पूछताछ की। जांच के दौरान कथित लूट की वारदात बनावटी होना सामने आया। पुलिस ने अरबाज की मौजूदगी में उसके लोडिंग टैंपो से 1.50 लाख रुपए बरामद कर लिए। इसके बाद घटना में इस्तेमाल किए गए टैंपो को भी जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार अरबाज आहोर निवासी दुकानदार दीपक भाई सुधार की दुकान से स्टील के पाइप लोडिंग टैंपो में भरकर जालोर ले गया था। जालोर में मानसरोवर होटल के पीछे स्थित स्टील कारखाने में पाइप खाली करने के बाद सेट ने पाइपों के भुगतान के रूप में उसे 1.50 लाख रुपए नकद दिए थे। अरबाज पर कर्ज होने के कारण उसने इन रुपयों को अपने पास रखने की योजना बनाई। जालोर से लौटते समय उसने भैंसवाड़ा में टैंपो



रोक दिया और रुपए हड़पने के लिए लूट की झूठी कहानी तैयार कर पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दे दी।झू पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी अरबाज खां को गिरफ्तार किया। अनुसंधान पूरा करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

आरबीआई के नियमों से भारतीय बैंकों को हुआ 4,000 करोड़ की विदेशी मुद्रा का नुकसान

नई दिल्ली।

भारतीय बैंकों को 2026 की पहली छमाही में विदेशी मुद्रा ट्रेडिंग बुक पर करीब 50 करोड़ डॉलर का मार्क-टू-मार्केट नुकसान उठाना पड़ा। एक रिसर्च के मुताबिक यह नुकसान भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से किए गए नियामकीय बदलावों के बाद बैंकों को अपनी विदेशी मुद्रा पोजिशन घटाने के लिए मजबूर होने के कारण हुआ। बाद में बाजार में स्प्रेड बढ़ने और पोजिशन सामान्य होने से बैंकों ने इस नुकसान में से करीब 40 करोड़ डॉलर की भरपाई कर ली है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह नुकसान आरबीआई के 27 मार्च के निर्देश के बाद हुआ, जिसके तहत अधिकृत डॉलर बैंकों के लिए कारोबारी दिन के अंत में ऑनशोर रुपये से जुड़ी नेट ओपन पोजिशन की सीमा 10 करोड़ डॉलर तय कर दी गई थी। बैंकों को 10 अप्रैल तक अपनी पोजिशन घटानी पड़ी, जिसके चलते उनकी ट्रेडिंग बुक में तेज बदलाव देखने को मिला। यह कदम ऐसे समय उठाया गया, जब रुपए में काफी उतार-चढ़ाव था। विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे और कंपनियों की ओर से मुद्रा जोखिम से बचाव की मांग अधिक थी। मार्केट स्ट्रक्चर एंड टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष नितिन अंगिचा ने कहा कि आरबीआई के नए नियमों को लागू करने के लिए मिला कम समय बैंकों को तेजी से अपनी पोजिशन घटाने या उनमें बदलाव करने के लिए मजबूर करने वाला था। बाद में बाजार में स्प्रेड बढ़ने से बैंकों को शुरुआती नुकसान की कुछ भरपाई करने में मदद मिली। आरबीआई ने 20 अप्रैल को अपने कुछ पुराने निर्देश वापस ले लिए और संबंधित पक्षों के बीच होने वाले लेनदेन के लिए सीमित छूट की अनुमति दी, जिससे बैंकों पर पड़ रहा कुछ परिचालन दबाव कम हुआ। कॉर्पोरेट एंड इन्व्स्टमेंट बैंक कंपटीटर रिसर्च एंड एनालिटिक्स के निदेशक ने कहा कि विदेशी मुद्रा कारोबार में हुआ नुकसान सिर्फ ग्राहकों की कमजोर गतिविधियों का नतीजा नहीं था, बल्कि आरबीआई के निर्देशों के कारण ट्रेडिंग रणनीति में आए अचानक बदलाव का परिणाम था।

एक्स-मिल कीमतों में करीब 28 फीसदी की आई कमी, घट सकते हैं चीनी के दाम

नई दिल्ली।

ल्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को राहत मिली है। देश के खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमतों में अगस्त के उच्चतम स्तर की तुलना में करीब 15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, एक्स-मिल कीमतों में करीब 28 फीसदी की कमी आई है। सरकार को उम्मीद है कि एक्स-मिल कीमतों में आई गिरावट का असर खुदरा बाजार में भी दिखाई देगा और चीनी के दाम और कम हो सकते हैं। चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सरकार ने डीलरों के लिए नई स्टॉक सीमा लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत डॉलर चीनी मिलने की तारीख से अधिकतम 15 दिन तक ही उसका स्टॉक रख सकेंगे। इसके अलावा किसी भी स्थान पर एक समय में 1,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी रखने की अनुमति नहीं होगी। यह व्यवस्था 15 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक रहेगी। हालांकि, कोलकाता और आसपास के महानगरीय क्षेत्रों और असम के लिए अलग व्यवस्था की गई है। इन क्षेत्रों में स्टॉक सीमा 2,000 क्विंटल रखी गई है। इसकी वजह वहां चीनी की आपूर्ति से जुड़ी भौगोलिक और परिवहन संबंधी चुनौतियां हैं। इन क्षेत्रों में चीनी की मांग पूरी करने के लिए यूपी, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों से आपूर्ति की जाती है।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गयीं हैं। इस बार 19 किलो वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले व्यवसायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब दिल्ली में यह सिलेंडर 2,810 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले सितंबर माह में इसकी कीमत 2,747.50 रुपये थी। देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी ये सिलेंडर महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला सिलेंडर अब 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार, बेंगलुरु में इसकी कीमत 2,898 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 2,932.50 रुपये और बिहार की राजधानी पटना में 3,100.50 रुपये तक पहुंच गई है।

जरूरत से ज्यादा खर्च करके फंस सकते हैं कर्ज में,50-30-20 का नियम अपनाएं

महीने के खर्च का औसत निकालकर हर कैटेगरी के लिए एक आसान बजट बनाएं

नई दिल्ली।

बजट के बिना वित्तीय स्थिति को संभालना मुश्किल होता है और व्यक्ति जरूरत से ज्यादा खर्च करके कर्ज में फंस सकता है। बजट बनाने के लिए सबसे पहले अपने सभी खर्चों को समझना जरूरी है। इन्हें आमतौर पर क्रियाय, बिल, बीमा, कर्ज की किस्त और बदलने वाले जैसे किराना, यात्रा, मनोरंजन खर्चों में बांटा जाता है। कुछ खर्च ऐसे भी

होते हैं जो हर महीने नहीं आते, लेकिन अचानक बड़ी रकम खर्च हो सकती है, जैसे घर की मरम्मत या कोई बड़ी खरीदारी। इन सभी खर्चों को एक जगह लिखने के लिए बजट ट्रैकर बनाना चाहिए। सबसे पहले अपनी कुल आय निकालें और उसमें से टैक्स काटकर पता करें कि हर महीने आपके पास कितनी रकम बचती है। फिर अपने सभी तय खर्चों को लिखें और उनका योग करें। इसके बाद बदलने वाले और कभी-कभी होने वाले खर्चों पर ध्यान दें, पिछले कुछ महीनों के खर्चों का

नतीजों से पहले आईटी सेक्टर में तेज बिकवाली दर्ज

-टियर-2 कंपनियों में ग्रोथ की रफ्तार रह सकती है बेहतर

नई दिल्ली।

भारतीय आईटी सेक्टर कंपनियां सितंबर तिमाही के नतीजों जारी करने के लिए तैयार हैं। टीसीएस, एचसीएल टेक और इंफोसिस के नतीजों के साथ अर्निंग सीजन की शुरुआत हो जाएगी। नतीजों से पहले सेक्टर में तेज बिकवाली दर्ज की जा रही है,

जिसकी वजह से निफ्टी आईटी इंडेक्स एक साल के हाई लेवल से करीब 30 फीसदी नीचे ट्रेड कर रहा है।

हालांकि अमेरिकी आईटी कंपनी एक्सैचर के नतीजों के बाद सेक्टर के लिए अच्छे संकेत नजर आ रहे हैं, जिसने वित्त वर्ष 2027 के लिए 3 से 6 फीसदी रेवेन्यू ग्रोथ गाइडेंस दिया है। सितंबर तिमाही में

वैश्विक संकट गहराने के साथ ही वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है-यूएन रिपोर्ट

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, बढ़ती तेल कीमतों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर की सरकारों के लिए उपभोक्ताओं को राहत देना लगातार कठिन होता जा रहा है। शुक्रवार को जारी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में वैश्विक ऊर्जा सब्सिडी 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक पहुंच सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि के असर को कम करने के लिए सरकारें बड़े पैमाने पर सब्सिडी, मूल्य नियंत्रण (प्राइस कैप) और कर रियायतों जैसे उपायों का सहारा ले रही हैं। हालांकि बढ़ती ब्याज दरों, महंगे

कर्ज और मौसम संबंधी जोखिमों के कारण इन उपायों को लंबे समय तक जारी रखना और मुश्किल होता जा रहा है। यूएनडीपी ने चेतावनी दी है कि आने वाले कुछ महीने उन देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे जो ईंधन सब्सिडी और अन्य राहत उपायों के जरिए महंगाई से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से कई देशों की सार्वजनिक वित्त व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। यूएनडीपी के मुख्य अर्थशास्त्री जॉर्ज ग्रे मोलिना ने कहा कि अगले कुछ सप्ताह और महीने अनिश्चितता से भरे रह सकते हैं, क्योंकि दुनिया एक साथ कई संकटों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि

नकली दवाओं पर रोक लागने बंद औषधि इकाइयों की मशीनरी नष्ट करने पर हुआ विचार

महिलाओं की नीत के बाद डीसीसी बैठक में राजस्थान औषधि नियंत्रण ने यह मुद्दा उठाया था

नई दिल्ली।

भारत की मुख्य औषधि नियंत्रक संस्था केंद्रीय औषधि मानक नियामक संगठन (सीडीएससीओ) नियमों का पालन नहीं करने वाली या बंद हो चुकी औषधि इकाइयों की मशीनरी को सही तरीके से नष्ट करने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। इससे नकली या प्रतिबंधित दवाएं बनाना रोका जा सकेगा। दरअसल, केंद्रीय औषधि नियामक को सलाह देने वाली औषधि परामर्श समिति (डीसीसी) की 18 सितंबर को हुई बैठक में राजस्थान औषधि नियंत्रण विभाग ने यह मुद्दा उठाया था।

डीसीसी ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की। उसने यह राय व्यक्त की कि यदि कोई नियामकीय व्यवस्था बना दी जाए तब भी इसका कार्यान्वयन खराब नजर आता है। कार्यवाही के विवरण के मुताबिक ‘समिति ने माना कि असरदार प्रणाली में औषधि मशीनरी की पूरी आपूर्ति श्रृंखला शामिल होनी चाहिए न कि सिर्फ बंद कारखानों की मशीनरी को नष्ट करना। इसके बाद डीसीसी ने राजस्थान के औषधि नियंत्रक से औषधि मशीनरी की पहचान, निर्माण या आपूर्ति, मालिकाना हक, स्थानांतरण, काम बंद करने और निपटान को शामिल करने वाला विस्तृत प्रस्ताव जमा करने को कहा है। प्रस्ताव में नई निगरानी प्रणालियां, संसाधनों पर असर और निपटान के बाद बेकार पड़ी मशीनरी की निगरानी जैसे अन्य पहलू भी शामिल होने चाहिए। फिर भविष्य में होने वाली की चर्चा के लिए डीसीसी के सामने रखा जा सकता है।

टैरिफ के कारण लौट रही मैनुफैक्चरिंग,बन रही नई फैक्ट्रियां और बढ़ रहे रोजगार-ट्रंप

वॉशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीतियों को अमेरिका में ‘मैन्युफैक्चरिंग की नौकरियां और फैक्ट्रियां वापस लाने का श्रेय दे दिया है। उनका कहना है कि विदेशी कंपनियों से मिलने वाली प्रतिस्पर्धा से अमेरिकी उद्योगों को सुरक्षा देने की वजह से देश में मैनुफैक्चरिंग फिर से तेज गति पकड़ी है। ट्रंप ने ट्रक निर्माता कंपनी के बड़ते कारोबार का उदाहरण देकर कहा कि यह दिखाता है कि उनकी व्यापार नीतियां काम कर रही हैं। ट्रंप ने

कहा, हमारे यहां पहले से ज्यादा फैक्ट्रियां बन रही हैं। आप बहुत अच्छा कर रहे हैं और ये कंपनियां भी अच्छा कर रही हैं। पूरे देश में फैक्ट्रियां और प्लांट बन रहे हैं। मैनुफैक्चरिंग वापस आ रही है। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ की वजह से विदेशी कंपनियों के लिए अमेरिका में सामान बेचकर पैसा कमाना और अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरियां खीटना मुश्किल हुआ है। उन्होंने कहा कि वे अपना सामान नहीं बेचते थे, पैसा लेकर चले जाते थे और आपके पास नौकरियां नहीं बचती थीं। लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं है। हमारी सरकार ने इस



वर्तमान स्थिति से बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता फिलहाल दिखाई नहीं दे रहा है। विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट में बताया गया है कि अप्रैल से सितंबर के बीच राहत उपाय अपनाने वाले देशों की संख्या

लगभग दोगुनी हो गई। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि का असर अधिक व्यापक होता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सहायता कार्यक्रमों ने इस वर्ष अनुमानित 13 करोड़ लोगों को प्रतिदिन 6.85 डॉलर की गरीबी रेखा से नीचे जाने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शेयर बाजार कम रकम से अमीर बनने का मौका,इसमें सावधानी बरतना जरूरी

-निवेशक के लिए सबसे पहला कदम शब्दों और अवधारणाओं को समझना होगा

नई दिल्ली।

शेयर बाजार हर किसी को कम रकम से निवेश शुरू करने और संपत्ति बनाने का मौका देता है। ट्रेडिंग के जरिए पैसा कमाने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए सबसे पहला कदम उन शब्दों और अवधारणाओं को समझना होना चाहिए, जिन्हें उसे निवेश के लंबे सफर में अक्सर सुनना पड़ेगा। बुनियादी शब्दों की जानकारी होने से शुरुआती निवेशकों को जोखिम समझने, निवेश के मौकों का आकलन करने और गलतियों से बचने में मदद मिलती है। यहां कुछ ऐसे ही अहम शब्द दिए गए हैं- आर्बिंजुज ऐसी रणनीति है, जिसमें निवेशक एक ही संपत्ति को अलग-अलग बाजारों में एक ही समय पर

खरीदकर और बेचकर कीमत के अंतर से मुनाफा कमाता है।

बिस्पर मार्केट वह स्थिति है जब शेयरों की कीमतें लंबे समय तक तेज गिरावट का सामना करती हैं और निवेशकों का भरोसा कम होता है। इसके विपरीत, बुल मार्केट वह दौर है, जब शेयरों की कीमतें लगातार बढ़ रही होती हैं और निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। बॉन्ड एक निश्चित आय वाला निवेश विकल्प है, जिसमें आप सरकार या किसी कंपनी को पैसा उधार देते हैं और बदले में नियमित अंतराल पर ब्याज मिलता है। शेयर किसी कंपनी में स्वामित्व को दर्शाता है, जिससे निवेशक को डिविडेंड और शेयर की कीमत बढ़ने से होने वाले मुनाफे का फायदा मिल सकता है।

आईपीओ वह प्रक्रिया है, जिसके जरिए कोई कंपनी पहली

तेल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली।

तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश के प्रमुख महानगरों में पेट्रोल के दाम कुछ इस प्रकार हैं। राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 से 102.15 रुपये के बीच बनी हुई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 103.50 से 103.54 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। पूर्वी महानगर कोलकाता में इसकी कीमत 113.46 से 113.51 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गई है, जबकि दक्षिण के प्रमुख शहर चेन्नई में पेट्रोल 107.73 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि स्थानीय करों, वैट और परिवहन लागत के कारण अलग-अलग शहरों में और यहां तक कि एक ही शहर के विभिन्न हिस्सों में भी कीमतों में मामूली अंतर दिख सकता है। पेट्रोल की तरह ही डीजल के दामों में भी स्थिरता देखी जा रही है, जो कि उपभोक्ताओं के लिए एक अच्छी खबर है। शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में डीजल का दाम लगभग 95.20 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में ग्राहकों को एक लीटर डीजल के लिए 97.83 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। कोलकाता में डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 99.55 से 99.66 रुपये प्रति लीटर के आसपास बनी हुई है। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और कई बार तेजी देखने को मिल रही है।खास बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, भारतीय घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दामों में मई 2026 के बाद से कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है।

निवेशक के लिए सबसे पहला कदम शब्दों और अवधारणाओं को समझना होगा



बार अपने शेयर आम लोगों के लिए जारी करती है। लिक्विडिटी यह बताती है कि किसी एसेट को बाजार में उसकी कीमत पर असर डाले बिना कितनी आसानी से खरीदा या बेचा जा सकता है। मार्केट कैपिटलाइजेशन किसी कंपनी के शेयर बाजार में मौजूद कुल शेयरों की कुल कीमत होती है, जिससे कंपनी के आकार का पता चलता है। म्युचुअल फंड में

कई निवेशकों से पैसा जुटाकर उसे शेयर, बॉन्ड और अन्य प्रतिभूतियों के अलग-अलग पोर्टफोलियो में निवेश किया जाता है, जिसे पेशेवर फंड मैनेजर संभालते हैं। प्राइस-टू-अर्निंग रेश्यो किसी कंपनी के शेयर की कीमत की तुलना उसके प्रति शेयर मुनाफे से करता है, जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि शेयर का मूल्यांकन ज्यादा है या कम।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली।

व्यवसायिक उपयोग वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गयीं हैं। इस बार 19 किलो वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू सिलेंडर की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो के घरेलू गैस सिलेंडर के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले व्यावसायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब दिल्ली में यह सिलेंडर 2,810 रुपये में मिलेगा, जबकि इससे पहले सितंबर माह में इसकी कीमत 2,747.50 रुपये थी। देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी ये सिलेंडर महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला सिलेंडर अब 2,764.50 रुपये, कोलकाता में 2,954 रुपये और चेन्नई में 2,983 रुपये का हो गया है। इसी प्रकार, बेंगलुरु में इसकी कीमत 2,898 रुपये, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 2,932.50 रुपये और बिहार की राजधानी पटना में 3,100.50 रुपये तक पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से होटल, रेस्तरांट, कैटरिंग सेवाओं और अन्य व्यवसायिक उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगी।वहीं, आम जनता के लिए राहत की खबर यह है कि घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलो) के दाम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

भारत में डिजिटल की विकसित तकनीक को ग्लोबल बाजार में उतारेगी जियो रिलायंस

कंपनी ने कोर नेटवर्क, रेडियो, सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस तकनीकों को किया विकसित

नई दिल्ली।

भारत के टेलीकॉम बाजार में अपनी मजबूत स्थिति बनाने के बाद रिलायंस जियो अब वैश्विक तकनीकी बाजार में विस्तार की तैयारी कर रही है। जियो प्लेटफॉर्मस ने संकेत दिया है कि कंपनी भारत में डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए विकसित की गई तकनीक को उत्पादों में बदलकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश करेगी। कंपनी का फोकस 5जी नेटवर्क तकनीक, एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डिव्हाइस और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों पर है। रिपोर्ट के मुताबिक जियो ने भारत में अपने नेटवर्क के लिए कोर नेटवर्क, रेडियो, नेटवर्क सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस जैसी तकनीकों को विकसित किया है। कंपनी का फोकस 5जी नेटवर्क तकनीक, एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डिव्हाइस और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों पर है। रिपोर्ट के मुताबिक जियो ने भारत में अपने नेटवर्क के लिए कोर नेटवर्क, रेडियो, नेटवर्क सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस जैसी तकनीकों को विकसित किया है। कंपनी का फोकस 5जी नेटवर्क तकनीक, एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डिव्हाइस और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों पर है। रिपोर्ट के मुताबिक जियो ने भारत में अपने नेटवर्क के लिए कोर नेटवर्क, रेडियो, नेटवर्क सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस जैसी तकनीकों को विकसित किया है। कंपनी का फोकस 5जी नेटवर्क तकनीक, एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डिव्हाइस और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों पर है। रिपोर्ट के मुताबिक जियो ने भारत में अपने नेटवर्क के लिए कोर नेटवर्क, रेडियो, नेटवर्क सॉफ्टवेयर और ओएसएस-बीएसएस जैसी तकनीकों को विकसित किया है।

इसके अलावा मखाना निर्यात मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए राज्य में पैकहाउस भी विकसित तैयार किए हैं।



गजब का है यह पेपर आर्ट पेपर क्विलिंग

मॉरको की 34 साल की युलिया ब्रोदसकाया ने पेपर और गोंद की मदद से इन अचंचित कर देने वाली रंगीन रचनाओं को उकेरा है। इन्हें देख कर ऐसा लगता है कि ये तस्वीरें बोलती हैं। युलिया को पेपर से बनाई जाने वाली इंड्रिंग के साथ उत्तम जान डाल देने वाले कलाकार के तौर पर भी जाना जाता है। इसे थ्रीडी इंड्रिंग का नाम दिया जाए तो गलत नहीं होगा। युलिया तीन स्टैप्स को फॉलो कर इन चित्रों को जीवंत रूप देती हैं। पहला स्टैप है पेपर काटना, दूसरा है फोल्ड करना और तीसरा है गोंद की मदद से फोल्ड किए हुए पेपर को किसी सतह पर चिपका एक नया रूप देना। इस आर्ट को पेपर क्विलिंग कहा जाता है।

अठारहवीं सदी में हुई थी पेपर क्विलिंग की शुरुआत

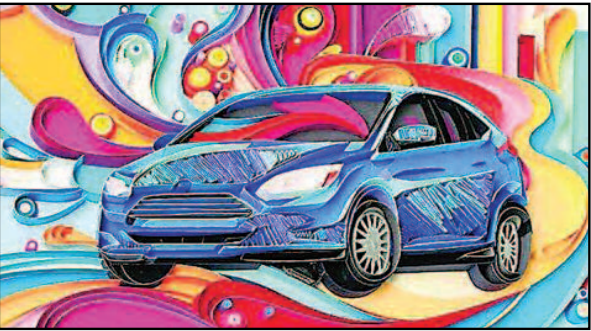
तुम्हें बता दें कि इस कला की शुरुआत अठारहवीं सदी में ही हो गई थी। दरअसल नन और भिक्षुओं द्वारा किताबों के कवर को सुंदर बनाने के लिए पेपर की सहायता से यही कलाकारी की जाती थी। तभी से यह कला प्रचलित हो गई।

यहां से मिली इस कला की प्रेरणा

युलिया को इस कलाकारी का आइडिया तब आया, जब दस साल पहले उन्हें एक ब्रोशर में अपने नाम को अलग तरीके से



लिखना था, कुछ ऐसा, जो उसकी कलाकारी को दर्शाता हो। कई वर्षों बाद उन्हें स्कूल के समय के दिनों में बनाए गए एक प्रोजेक्ट की याद आई, जिसमें उन्होंने पेपर क्विलिंग का इस्तेमाल किया था। बस फिर क्या था, उन्होंने उसी तरीके का इस्तेमाल कर ब्रोशर तैयार किया, जो लोगों को काफी पसंद आया। तभी से उन्होंने इस तकनीक का इस्तेमाल कर अलग प्रकार के चित्र बनाने शुरू किए।



दोस्तों, रंग बदलने वाले जीव-जंतु सबका ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। ये ऐसा क्यों और कैसे करते हैं, तुम्हें इस बार बता रहे हैं। गिरगिट के अलावा भी ऐसे बहुत से जीव हैं, जो रंग बदलने में माहिर हैं। इन जीवों में प्लाउंडर, मिमिक ऑक्टोपस, पीकॉक प्लाउंडर, टोन स्पाइडर, ट्री फ्रॉग, गोल्डन टॉरटॉइज बीटल और स्कविड प्रजाति की कई मछलियां हैं। रंग बदलने की क्षमता को उनकी बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। इन रंगों के बल पर ये जीव खुद को छिपाने में कामयाब रहते हैं, तो वहीं शिकारी से अपनी रक्षा भी करते हैं।

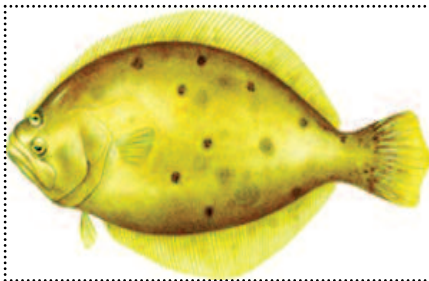
ट्री फ्रॉग

इन्हें लॉफिंग ट्री फ्रॉग के नाम से भी जाना जाता है। जितने ये अपनी आवाज के लिए जाने जाते हैं, उतनी ही फुर्ती से अपने रंग बदलने के लिए भी। ये मेंढक भूरे, कथई और सफेद रंग बदलने में माहिर होते हैं। ये पीले व काले पैर और एमरेल्ड कलर के निशानों के साथ भी नजर आते हैं।



प्लाउंडर

यह मछली पहली नजर में सपाट आकार की साधारण सी मछली नजर आती है, लेकिन इसमें अपने आसपास की चीजों के अनुसार अपना रंग बदलने की अद्भुत क्षमता है।



इनकी ताकत बढ़ाने में इनकी आंखें भी बहुत मददगार हैं। इस प्रजाति की मछलियां वयस्क होने पर अपनी आंखें दाईं या बाईं ओर घुमा सकती हैं। इससे जमीन की सतह के साथ तैरने में इन्हें आसानी होती है। ये मछलियां समुद्र के सबसे गहरे इलाके मरियाना ट्रेंच में भी पाई गई हैं, जो कि लगभग 35,000 फीट की गहराई में है।

रंग बदलने में माहिर हैं ये जीव

टोन स्पाइडर

गोल्डनरॉड क्रेब स्पाइडर सिर्फ दो रंग बदल सकता है- एक सफेद और दूसरा पीला, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह अपना शिकारी सिर्फ इस रंग के फूलों को बनाता है। इसमें खासतौर पर डेजी और सूरजमुखी शामिल हैं। इस खुबी के बल पर यह फूलों का शिकार भी कर लेता है और शिकारी चिड़ियों से भी बचा रहता है।

गिरगिट

रंग बदलने में गिरगिट का कोई सानी नहीं होता। इसकी खासियत यह होती है कि ये अपने आसपास के पर्यावरण के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। जिस पेड़ पर जाते हैं, उसी का रंग अपना लेते हैं। यह जीव कई बार शिकारी से बचने के लिए ऐसा करता है। गिरगिट की लगभग सभी प्रजातियां रंग बदलने में माहिर होती हैं। यह लंबे समय तक बदले हुए रंग में रह सकता है। यह छिपकली के परिवार का ही सदस्य माना जाता है।

कटलफिश

प्यारे से नाम वाली ये मछलियां बहुत बुद्धिमान होती हैं। ये मछलियां लगातार एक चतुराई से शिकार करने का और दूसरे बड़े जीवों से खुद को बचाने का काम करती हैं। ये ज्यादा देर तक एक रंग में नजर नहीं आती और दिमाग से मिलने वाले संदेश के अनुसार लगातार अपना रंग बदलती रहती है। जितनी आराम से तुम सांस लेते हो, उतनी ही आसानी से ये रंग बदलती नजर आती हैं, जो देखने में बहुत रोमांचक लगता है।



अनोखा अंगूरी क्राफ्ट

दोस्तों, तुम्हें अंगूर खूब अच्छे लगते हैं न! आज हम तुम्हें अंगूर से क्राफ्ट बनाना सिखा रहे हैं। तुम्हें चाहिए कुछ अंगूर, टूथपिक।

ऐसे बनेगा

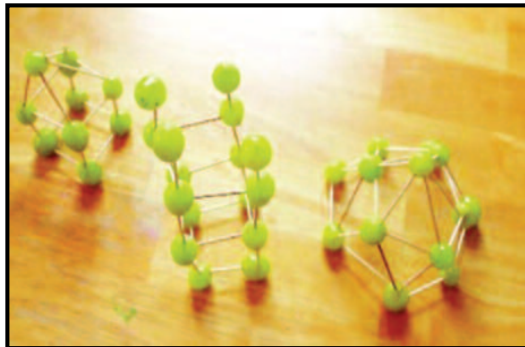
अब इस तरह से अंगूर में टूथपिक डालो और दूसरे टूथपिक से अंगूर को जोड़ते जाओ। फिर तुम्हें जो शेष चाहिए, उस तरह से बनाओ। चार अंगूरों की मदद से पहले तुम्हें बेस तैयार करना होगा। बस तुम्हें यह ध्यान रखना है कि टूथपिक से अंगूर टूट ना जाए। एक बार बनाने

के बाद अब तुम इसे खा सकते हो। बड़ा मजा आयागा अगर दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खाओगे। चाहो तो अंगूर की जगह पर डो के छोटे-छोटे टुकड़ों का भी इस्तेमाल कर सकते हो।

अंगूर खाने के फायदे

इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हड्डियों के लिए

अच्छा होता है। अंगूर में सबसे अधिक पोटेशियम पाया जाता है, जो पाचन और दिल के लिए अच्छा होता है। विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। यह खून की कमी को भी दूर करता है।



जब बच्चे बने टीचर

रोज की तरह रमा इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे आज भी स्कूल पहुंच रहे थे, पर उनके चेहरे पर स्कूल जाने का तनाव नहीं, बल्कि अलग तरह की उत्सुकता थी। आज उनके प्रिंसिपल बेदी सर ने उन्हें पूरी छुट दी थी। एक दिन पहले उन्होंने एसेंबली में भाषण देते हुए कहा था, "कल 14 नवंबर है, यानी बाल दिवस। आप सब समझते हैं कि स्कूल में बहुत बंदिश होती है। आप अपने मन की नहीं कर सकते। पर कल आप लोगों को पूरी छुट है। न स्कूल ड्रेस का डर न टीचर्स की डांट। कल हम सब कुछ अलग करेंगे। मुझे उम्मीद है, यह अलग वाली बात आप लोगों को पसंद आएगी।" अगले दिन सुबह सारे बच्चे एसेंबली के लिए प्लेग्राउंड में इकट्ठे होने लगे। कुछ बच्चे जो काफी अमीर थे, वे तो ब्रांडेड सामान की पूरी दुकान नजर आ रहे थे। धीरे-धीरे सारा प्लेग्राउंड बच्चों से भर गया। रंग-बिरंगी लिलियों की तरह सारे बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे, दोस्तों से मिल रहे थे। तभी घोषणा हुई कि प्रिंसिपल बेदी सर आ रहे हैं। सारे बच्चे तुरंत अपनी-अपनी क्लास की लाइन में आकर खड़े हो गए। बेदी सर माइक के सामने आए और बोले, "आज का दिन आप लोगों का है, मतलब बच्चों का दिन है। आज तक आप लोग इस स्कूल में पढ़ते रहे हैं और अपने टीचर्स से आपको शिकायत भी रही होगी। चलो, आज एक नया खेल खेलते हैं। आज आप लोग टीचर बनेंगे।" "सर, अगर हम लोग टीचर होंगे, तो बच्चे कौन बनेंगे, जिन्हें हम पढ़ाएंगे?" एक बच्चे की आवाज आई। बेदी सर मुस्करा दिए। फिर बोले, "मैंने भी यही सोचा था। फिर एक आइडिया आया। आप लोग चिंता न करें। आपके स्टूडेंट थोड़ी देर में आने वाले हैं।" जब तक बेदी सर अपनी बात पूरी करते, तब तक स्कूल की चार बसें आकर रुकीं। उनके गेट खुले, तो उनमें से कुछ बच्चे उतरने लगे। हिंदी वाले सर के साथ क्लास मॉनिटर्स आगे बढ़े। उनके हाथ में टोकरियां थीं, जिनमें गुलाब के फूल थे। सर आगे बढ़कर एक-एक करके सभी बच्चों की शर्ट पर गुलाब

के फूल लगाने लगे। स्कूल के बच्चों की नजरें इन नए बच्चों पर से हट ही नहीं रही थीं। सारे बच्चे गरीब लग रहे थे। किसी के पैर में पुराने जूते थे, तो कोई चप्पल में था। उनके कपड़े वैसे थे, जैसे वे अपने घर में भी नहीं पहनते थे। प्रिंसिपल सर बच्चों को गौर से देख रहे थे। उनके मन की बात वे समझ गए। उन्होंने बोलना शुरू किया, "कुछ दिनों पहले मुझे एक अनाथालय में जाने का मौका मिला। वहां मैं इन बच्चों से मिला। ये वो बच्चे हैं, जिनको आप लोगों की तरह माता-पिता का प्यार नहीं मिला। इन्हें कोई सुबह स्कूल के लिए तैयार नहीं करता, कोई इनके लिए स्कूल का लंच पैक नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये स्कूल नहीं जा पाते हैं और अपने आश्रम में ही आने वाले टीचर्स से पढ़ते हैं। पर इन्हें पढ़ाई में कमजोर मत समझना। इनमें से कुछ बच्चों ने मुझसे कहा कि सर हम भी देखना चाहते हैं, स्कूल कैसा होता है, और वहां पढ़ाई कैसे होती है। इसीलिए मैंने आज इन बच्चों को यहां आमंत्रित किया है। आज ये बच्चे हमारे स्टूडेंट हैं और आप लोग अपने टीचर्स के साथ मिलकर इन्हें पढ़ाएंगे ताकि स्कूल में पढ़ने का इनका सपना भी पूरा हो। मैं बस आप सबसे यही चाहता हूँ कि अनाथालय से आए बच्चों को यह महसूस करा दो कि वे पराए नहीं, हमारे अपने हैं। बाल दिवस उन बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण है।" इसके बाद एसेंबली खत्म हो गई और बच्चे अपनी-अपनी क्लास की ओर चले, पर उन बच्चों की कहानी सुनकर ज्यादातर बच्चों के चेहरे गंभीर हो गए थे। जब वे अपनी क्लास में पहुंचे तो उन्हें अनाथालय के बच्चे सीटों पर बैठे दिखाई दिए। ऐसी ही एक क्लास में खड़े टीचर ने कहा, "कुछ बच्चे जो पढ़ाना चाहते हैं, वो मेरे पास आ जाएं। बाकी बच्चे इन बच्चों के साथ बैठ जाएं और पढ़ाई में सहयोग करें।" एक-दो घंटे बाद पता ही नहीं चल रहा था कि ये बच्चे एक-दूसरे को जानते ही नहीं थे। सब एक-दूसरे से खुल गए थे। पढ़ाई में एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। पता नहीं कैसे स्कूल के बच्चों के मन में यह भावना आई

थी कि अनाथालय के बच्चों को नहीं लगना चाहिए कि वे पराए हैं। लंच टाइम में स्कूल की तरफ से अनाथालय से आए बच्चों के लिए लंच आया, पर स्कूल के बच्चों ने अपना टिफिन भी उन बच्चों के साथ शेयर किया। ऐसे ही हंसते-खेलते स्कूल का टाइम बीता और छुट्टी का समय आ गया। बच्चों को आदेश था कि छुट्टी से पहले फिर से सब प्लेग्राउंड में इकट्ठे होंगे।



इस बार प्लेग्राउंड में सारे बच्चे एक साथ आए। स्कूल के बच्चे यह देखकर चौंक गए कि उनके माता-पिता को भी प्रिंसिपल सर ने बुला रखा था। सर ने बच्चों को देखकर पूछा, "बोलो बच्चे, आज का दिन कैसा लगा?" "बहुत बढ़िया सर। इन बच्चों के साथ बहुत मजा आया।" राघव जो एक बहुत बड़े बिजनेसमैन का बेटा था, वह आगे बढ़कर बोला। "और आप लोगों को कैसा लगा हमारा स्कूल?" अब सर ने अनाथालय से आए बच्चों से पूछा। "सर हमारा सपना पूरा हो गया। स्कूल में पढ़ने में बड़ा मजा आया। काश! हम रोज ऐसे पढ़ पाते।" कहते-कहते अनाथालय से आया अमित रो पड़ा। "तुम्हारा सपना जरूर पूरा होगा।" मुस्कराते हुए प्रिंसिपल सर बोले, "मैंने अपने मैनेजमेंट से बात कर ली है। अब से हमारे स्कूल में दोपहर बाद भी आप लोगों के लिए अलग से

स्पेशल क्लास हुआ करेगी। आप लोग यहां पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।" "हुर्रे!" राघव खुशी से चिल्ला पड़ा। वह भूल गया कि वह स्कूल में, और वह भी प्रिंसिपल सर के सामने है। सारा मैदान प्रिंसिपल सर की घोषणा के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सारे बच्चे अपने माता-पिता के पास गए और उनसे कुछ बात करने लगे। उनकी बात सुनकर वे मुस्काए और उनका सिर हां में हिलने लगा। बस फिर क्या था! देखते ही देखते मैदान में अजीब सा नजारा दिखाई देने लगा। स्कूल के लड़कों में से किसी ने अपनी शर्ट उतारी, तो किसी ने अपनी टी-शर्ट, उन्होंने अपनी शर्ट और टीशर्ट अनाथालय से आए बच्चों को जबरदस्ती पहना दी। यह सारा नजारा देखकर उनके माता-पिता भी मुस्काए बिना न रह सके। प्रिंसिपल सर के चेहरे पर भी संतोष की मुस्कान थी। बाल दिवस पर जो बात वह अपने बच्चों को सिखाना चाहते थे, वह उन्होंने अच्छे से सीख ली थी।

एशियाई खेल: भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराकर स्वर्ण जीता

लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी कालीफाई किया

नगोया (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को रोमांचक फाइनल मुकाबले में 1-0 से हराकर एशियाई खेलों की महिला हॉकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। साल 1982 के बाद इस स्पर्धा में पहली बार भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता है। भारत की ओर से फाइनल मैच का एकमात्र विजयी गोल लालेरैम्सियामी हमाराजोटे ने किया। उन्होंने मैच के पहले क्वार्टर में 10वें मिनट में यह गोल किया। भारत के लिए 2017 में डेब्यू करने वाली लालेरैम्सियामी हमाराजोटे का यह 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था। चीन को मैच के 23वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला था पर इसे भारतीय गोलकीपर

सविता पुनिया ने रोक लिया। इस जीत के साथ ही भारत ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए भी कालीफाई कर लिया है। चार दशकों के अधिक के लंबे इंतजार के बाद यह टीम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। भारतीय टीम ने 10वें मिनट में ही मैच का एकमात्र गोल कर लिया था। इसके बाद अगले 50 मिनट तक चीन की टीम गोल करने की कोशिश करती रही, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। फाइनल मुकाबले में बद्धत मिलने के बाद भारतीय टीम ने काफी अच्छा बचाव किया। चीनी खिलाड़ियों ने भारत की रक्षापंक्ति को तोड़ने की काफी कोशिश की लेकिन वह असफल रही।



एशियाई खेलों में भारत की महिला तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण जीता



–कुश्ती में दीपांशी हार्री

नगोया (एजेंसी)। एशियाई खेलों में भारत की महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक पर निशाना साधा हालांकि कुश्ती में भारत की दीपांशी को कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी है। महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम में शामिल कुमकुम मोहोत, अंकिता भक्त और कीर्ति ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए दक्षिण कोरियाई टीम टीम को हराया। भारतीय टीम की ओर से 17 वर्षीय युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोत ने जबरदस्त खेल दिखाया। कुमकुम ने संसम और सटीकता का परिचय देते हुए लगातार बेहतरीन शॉट लगाए और अंत में स्वर्ण पदक पश्चा पर निशाना साधा। टीम में कुमकुम के साथ अंकिता भक्त ने अपने अनुभव और निरंतरता का बखूबी इस्तेमाल किया, जबकि कीर्ति ने भी महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को मजबूती प्रदान की। यह तीनों खिलाड़ियों के एकजुट प्रयास और तालमेल का ही परिणाम था, जिसने भारत को यह गौरवपूर्ण उपलब्धि दिलाई और देश

का मस्तक गर्व से ऊंचा किया।

एक ओर जहाँ तीरंदाजी में भारत ने सुनहरी सफलता हासिल की, वहीं कुश्ती में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में भारतीय पहलवान दीपांशी को जापान की दिग्गज महिला पहलवान यू सुसाकी ने हरा दिया। सुसाकी, जो एक अनुभवी और खिताबी दवेदार मानी जाती हैं, ने अपने अनुभव और आक्रामक दौंव-पंच से दीपांशी पर भारी दबाव बनाया। दीपांशी ने कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश की, लेकिन जापानी पहलवान के विश्व स्तरीय प्रदर्शन के आगे वे टिक नहीं पाई और मुकाबले में हार गईं।

हालांकि, दीपांशी के लिए अभी भी पदक की उम्मीदें पूरी तरह से खत्म नहीं हुई हैं। रसलिंग में रिपेचेज का नियम उन्हें कांस्य पदक जीतने का अवसर प्रदान कर सकता है। यदि जापानी पहलवान यू सुसाकी अपने शेष मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंचने में सफल रहती हैं, तो दीपांशी को रिपेचेज दौर के माध्यम से कांस्य पदक जीतने का एक और मौका मिल सकता है।

एशियाई खेल : लवलीना ने चीनी मुक्केबाज बाओ को हराकर स्वर्ण जीता

निशिओ (एजेंसी)। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरोगोहेन ने एशियाई खेलों की मुक्केबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। लवलीना ने महिलाओं के 75 किग्रा भारवर्ग में ये स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में उन्होंने चीनी मुक्केबाज बाओ जियाई को आसानी से हरा दिया। इससे भारत को इस संस्करण में 12वां स्वर्ण पदक मिला है।

लवलीना ने बाओ जियाई को 5-0 से जीत दिलायी। पिछले एशियाई खेलों में उन्हें रजत पदक मिला था। वहीं इस बार उन्होंने और बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस बार सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में ही लवलीना ने धीमी शुरुआत की पर उन्होंने धीरे-धीरे अपने प्रहारों को गति दी।



सेमीफाइनल में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कजाकिस्तान के मुक्केबाज को हराकर फाइनल में जगह बनायी। खिताबी मुकाबले में उन्होंने चीनी मुक्केबाज बाओ जियाई को खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने सही समय का इंतजार किया और विरोधी पर बढ़त बनाए

रखने के लिए रणनीतिक रूप से जबरदस्त पंच जड़े। अंततः, उन्होंने इतने अंक अर्जित कर लिए कि वह तकनीकी रूप से बाओ से आगे निकल गयीं।

इस ऐतिहासिक जीत के साथ लवलीना एशियाई खेलों में दिग्गज मुक्केबाज मैरी कॉम के बाद स्वर्ण पदक

जीतने वाली भारत की दूसरी महिला मुक्केबाज बनी हैं। उनके लिए यह एक ऐतिहासिक डबल है, क्योंकि वह इन खेलों में भारत की तरफ से स्वर्ण और रजत देने ही पदक जीतने वाली एकमात्र महिला मुक्केबाज हैं। इससे पहले, मैरी कॉम ने एशियाई खेलों में दो पदक जीते थे। मैरी कॉम ने साल 2014 में एक स्वर्ण और 2010 में एक कांस्य पदक जीता था।

यह जीत लवलीना के लिए और भी खास है, क्योंकि शुक्रवार को वह अपना 29वां जन्मदिन मना रही थीं। इस स्वर्णिम पदक ने उनके जन्मदिन को हमेशा के लिए यादगार बना दिया है। बोरोगोहेन ने अपने जन्मदिन पर जो अविस्मरणीय उछार खुद को दिया है, उसकी तुलना किसी भी अन्य उछार से नहीं की जा सकती।

एशियाई खेल : मुक्केबाजी में परवीन ने स्वर्ण पदक जीता

नगोया । भारतीय महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। परवीन ने महिलाओं की 65 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। परवीन ने फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे की अनुभवी मुक्केबाज चैन निएन चिन को 3-2 से हराया। यह मुकाबला उनकी असाधारण प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक परिश्रम को दिखाता है। परवीन ने रिंग में अपनी चपलता, सटीक पंच और बेहतरीन बचाव का समन्वय दिखाया, जिससे वह अपने प्रतिद्वंद्वी पर भारी पड़ी है। इस जीत के साथ, परवीन एशियाई खेलों में मुक्केबाजी का स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की तीसरी महिला मुक्केबाज बन गई हैं। इससे पहले मैरी कॉम ने साल 2014 में यह पदक जीता था। वहीं आज ही लवलीना बोरोगोहेन ने भी चीनी मुक्केबाज को हराकर स्वर्ण पदक जीता। ये उपलब्धि भारतीय महिला मुक्केबाजी के बढ़ते कद और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को मजबूत करती है। लगातार दो स्वर्ण पदक भारतीय मुक्केबाजों के शानदार फॉर्म और उनकी तैयारी को दर्शाते हैं। शुक्रवार का दिन, 2026 भारत के लिए काफी अच्छा रहा। मुक्केबाजी के अलावा, तीरंदाजी में भी भारतीय टीमों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल कीं। महिला रिकर्व टीम ने एक अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी की दुनिया में दक्षिण कोरियाई टीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह एशियाई खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजी टीम का पहला स्वर्ण पदक था। तीरंदाजी में भारतीय दल की सफलता यहीं नहीं रुकी। मियस्ड रिकर्व टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया, जबकि पुरुषों की रिकर्व टीम ने भी रजत पदक जीता।

एशियाई खेल: बारिश के कारण क्रिकेट फाइनल रद्द हुआ तो दोनो टीमों बनेंगी संयुक्त विजेता

आईसीसी ने 2027 एकदिवसीय विश्व कप में भारत–पाक को एक ही गुप में रखा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 एकदिवसीय विश्वकप को लेकर कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। इसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही गुप में रखा गया है। आईसीसी ने घोषणा की है कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही गुप में रहेंगे। 2027 के इस विश्व कप में कुल 14 टीमें रहेंगी। इसका प्रारूप भी पिछले संस्करणों से काफी अलग होगा, जो दर्शकों के लिए और भी रोमांचक अनुभव लेकर आएगा। विश्व कप की शुरुआत 2 अक्टूबर 2027 को सुपर सीरीज से होगी, जिसमें तीन टीमें हिस्सा लेंगी। इस प्रारंभिक चरण से शीर्ष पर रहने वाली एक टीम मुख्य गुप स्तर में प्रवेश करेगी। इसके बाद, कुल 12 टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा, जिसमें प्रत्येक समूह में छह-छह टीमें रहेंगी। हर टीम अपने समूह की बाकी सभी टीमों के खिलाफ मुकाबला खेलेगी, जिससे गुप स्तर में ही कई रोमांचक मुकाबले होंगे। यह नया प्रारूप यह सुनिश्चित करेगा कि टीमों को अगले दौर में पहुंचने के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा और कोई भी मैच कम महत्वपूर्ण नहीं होगा। गुप स्तर के बाद, दोनों समूहों से शीर्ष तीन टीमें सीधे अगले राउंड में पहुंचेंगी। इसके अतिरिक्त, दोनों समूहों में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इस प्रकार, कुल सात टीमें सुपर-7 राउंड में पहुंचेंगी। सुपर-7 में पहुंचने वाली सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी। जिससे अंक तालिका में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस चरण के बाद, अंक तालिका में शीर्ष चार पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। दोनों सेमीफाइनल के विजेता अंतिम खिताब में विश्व महामुकाबले में उतरेंगे। 2027 एकदिवसीय विश्व कप का फाइनल मुकाबला 21 नवंबर को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान की भिड़त, जैसा कि अपेक्षित है, इस विश्व कप के सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबलों में से एक होगी। आईसीसी टूर्नामेंट में जब भी ये दोनों टीमें आमने-सामने होती हैं, तो रेडिफ्ट खराब भर जाते हैं और टेलीविजन पर रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज होती है। प्रशंसक अभी से इस मुकाबले की कल्पना कर रहे हैं और मैच के टिकटों की मांग आसमान छूने की उम्मीद है। यह केवल एक क्रिकेट मैच नहीं, बल्कि भावनाओं, उम्मीदों और गौरव का प्रतीक बन जाता है, जो खेल की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखता है। इस बीच टूर्नामेंट की मेजबानी संयुक्त रूप से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया करेंगे। इस दौरान कुल 57 मुकाबले 12 अलग-अलग स्थलों पर खेले जाएंगे।

रोहित और विराट ने आलोचकों को जवाब देने के साथ ही 2027 विश्व कप के लिए दावा ठोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ समय से अनुभवही बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल उठ रहे थे और कहा जा रहा था कि इन दोनों का समय अब निकल गया है और आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए इन्हें शामिल नहीं किया जाना चाहिये पर इन दोनों ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को करार जवाब दिया है। विराट और रोहित ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बाकि है और वे विश्वकप के लिए तैयार हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अपने शतकीय प्रदर्शनों से इन दोनों ने साबित कर

दिया है कि उनमें अभी भी वही दमखम और जीत की भूख है, जो उन्हें शीर्ष पर बनाए रखती है। इसलिए, उनकी विश्वकप के लिए दौवेदारों को कमजोर समझना भूल ही होगी। वेस्टइंडीज सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम पर भारी दबाव था। सीरीज के पहले एकदिवसीय में भी एक अविश्वसनीय नाबाद पारी खेली। इस पारी ने न केवल भारत को शानदार जीत दिलाई, बल्कि पूरी दुनिया को यह भी दिखा दिया कि रनों की उनकी भूख अभी भी वैसी ही असीमित है, जैसी एक दशक पहले थी। उनकी क्रीज पर मौजूदगी ने टीम

को स्थिरता और विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा, जो एक अनुभवी बल्लेबाज ही कर सकता है। विराट की उस शानदार दहाड़ के बाद दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में रोहित ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों की ध्वजियां उड़ते हुए 101 रनों की आक्रामक, पारी खेली, जिसने पुनः रोहित की याद ताजा कर दी। उनके बल्ले से निकले छक्के और दर्शनीय पुल शॉट्स उनकी दाढ़ियां स्पष्ट प्रमाण थे। वहीं दूसरी ओर मेजबान कीवी टीम भी इस सीरीज को लेकर तैयारियों में लगी है। टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि भारत

साबित होता है। भारतीय टीम के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर, जो अपने कड़े और परिणाम-उन्मुख फैसलों के लिए जाने जाते हैं, के लिए भी यह एक स्पष्ट संदेश है कि ये दोनों दिग्गज अभी अपनी उम्र के चरम पर नहीं पहुंचे हैं, बल्कि उनका खेल अभी भी शीर्ष स्तर पर है। इन जादुई पारियों के बाद यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो गई है कि रोहित और विराट कोहली की निगाहें साल 2027 के एकदिवसीयों का भी जिक्र किया, जो भारत से अलग और तेज गेंदबाजों के अनुरूप होती हैं।।

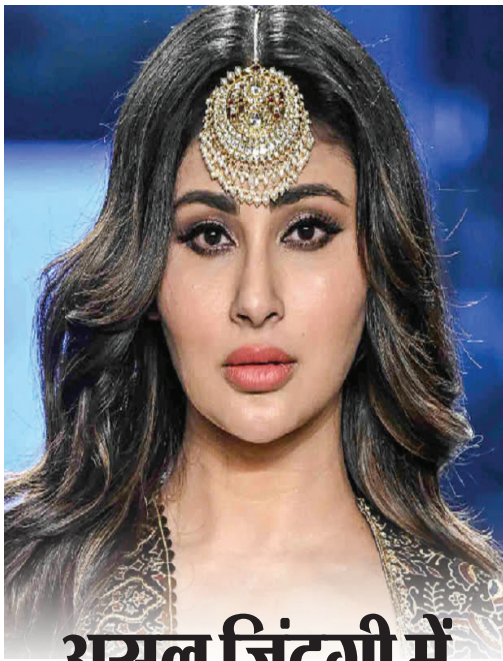


गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित ये बदलाव इस माह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हुए हैं लागू

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में कई बड़े बदलाव किये हैं ये नए नियम इस माह से लागू भी हो गये हैं। वहीं पहले से जारी सीरीज में पुराने नियमों का पालन किया जाएगा। इन बदलावों में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय समय की बर्बादी रोकने के लिए लागू की गई रनों की पेनल्टी है, साथ ही टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का ट्रायल भी शामिल है। अब बल्लेबाज को एक गेंद खेलने के बाद अगली गेंद के लिए तय समय सीमा के भीतर तैयार रहना होगा। इस नियम के उल्लंघन पर पहली बार चेतावनी दी जाएगी, दूसरी बार अंतिम चेतावनी और तीसरी बार नियम तोड़ने पर फील्डिंग टीम को 5 पेनल्टी रन मिलेंगे। इसके बाद हर बार नियम तोड़ने पर विपक्षी टीम को 5 रन का फायदा होगा। यह नियम बेवजह की देरी को रोककर मैच को समय पर समाप्त करने में मदद करेगा। एक बड़े बदलाव के तहत, दिन में होने वाले टेस्ट मैचों में अब टीमें ट्रायल के तौर पर गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर सकेगी। यह ट्रायल दोनों टीमों की सहमति पर निर्भर करेगा। इसका लक्ष्य खराब रोशनी के कारण समय से पहले मैच खत्म होने की स्थिति से बचना है। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए गेंद के आकार और वजन को लेकर भी सख्त नियम बनाए गए हैं, जिसके तहत गेंद का वजन 142 से 149 ग्राम और परिधि 21.5 से 22 सेंटीमीटर के बीच होनी चाहिए। ओवरशो के नियम को भी और स्पष्ट किया गया है; अब इसे केवल तीनों ओवरशो माना जाएगा जब फील्डर रन रोकने या बल्लेबाज को रन-आउट करने के उद्देश्य से गेंद को स्टंप्स की तरफ फेंकेगा। मिसफील्डिंग को अब ओवरशो नहीं माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, गेंद को पूरी तरह स्थिर मानने के लिए अब उसका गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में होना अनिवार्य नहीं होगा, जिससे अंपायर को करीबी मुकाबलों में बेहतर निर्णय लेने का अधिकार मिलेगा। स्टपिंग या रन-आउट के समय फील्डर का गेंद पर पूर्ण नियंत्रण होना जरूरी होगा। यदि गेंद केवल फील्डर को छूती हुई स्टंप्स पर लगती है, तो इसे नियंत्रण में नहीं माना जाएगा। टेस्ट मैच में दिन के खेल के आखिरी ओवर से जुड़ा नियम भी बदला है; अब यदि आखिरी ओवर में विकेट गिरता है, तो भी पूरा ओवर खेला जाएगा, दिन का खेल तुरंत समाप्त नहीं होगा। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में इनिंग ब्रेक का समय 15 मिनट निर्धारित किया गया है, हालांकि समय केमरून, ग्रैनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेंगे। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रैनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेंगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।, इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं। ये 32 अलग-अलग गुपों में बंटी हुई हैं।

बाकू में फीफा अंडर-15 विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगी भारतीय टीम

बाकू । विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अजरबैजान के बाकू में इसी माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप और फेस्टिवल अजरबैजान 2026 में खेलती दिखेंगी। ये टूर्नामेंट 22 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें कुल 191 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम गुप के में रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर के बीच लाओस, कैमरून, ग्रैनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेंगे। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रैनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेंगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।, इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं। ये 32 अलग-अलग गुपों में बंटी हुई हैं।



असल जिंदगी में सांपों से बेहद डरती हैं मौनी रॉय

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय टेलीविजन से बॉलीवुड तक का लंबा सफर ने तय किया है। छोटे परदे के 'नागिन' धारावाहिक में निभाया गया उनका किरदार उनके करियर की सबसे चर्चित भूमिकाओं में शामिल रहा। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। हालांकि, पर्दे पर सांपों से जुड़ा किरदार निभाने वाली मौनी रॉय ने हाल ही में अपने बारे में एक दिलचस्प बात बताई है। उन्होंने खुलासा किया कि वह असल जिंदगी में सांपों से बेहद डरती हैं। मौनी ने यह बात फराह खान के यूट्यूब ब्लॉग में बातचीत के दौरान बताई। फराह खान अपने कुक दिलीप के साथ मौनी रॉय के नए घर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब सांपों और 'नागिन' धारावाहिक का जिक्र आया तो मौनी ने बताया कि बचपन से ही उन्हें सांपों से डर लगता है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि 'नागिन' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री को सांप पसंद होंगे, लेकिन उनके मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। मौनी ने अपने धारावाहिक के दिनों को याद करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें वास्तविक सांपों के साथ काम नहीं करना पड़ता था। ऐसे दृश्यों के लिए वीएफएक्स और डमी सांपों का इस्तेमाल किया जाता था। इसके बावजूद अगर सेट पर सांप जैसा कुछ भी दिखाई देता था तो वह घबरा जाती थीं। उन्होंने बताया कि सेट पर मौजूद लोग भी इस बात को लेकर उन्हें मजाक में चिढ़ाते थे कि वह खुद नागिन का किरदार निभा रही हैं और सांप से ही डरती हैं। 128 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में जन्मी मौनी ने टेलीविजन पर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उन्हें वर्ष 2007 में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से बड़ा अवसर मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद 'कस्तूरी' और 'देवों के देव... महादेव' जैसे धारावाहिकों में नजर आईं। 'महादेव' में सती की भूमिका ने उनकी लोकप्रियता बढ़ाई। हालांकि, वर्ष 2015 में 'नागिन' से उन्हें बड़ी पहचान मिली। उन्होंने शिवन्या और शिवांगी की भूमिकाओं के जरिए दर्शकों का ध्यान खींचा।

नुसरत भरुचा बाली में हुई हादसे का शिकार, अस्पताल में भर्ती



बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा को लेकर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। इंडोनेशियन द्वीप बाली में एक वर्क कमिटमेंट के सिलसिले में गई अभिनेत्री वहां एक दुर्घटना का शिकार हो गई हैं। दुर्घटना के बाद उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। खबरों के अनुसार नुसरत अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट के सिलसिले में बाली गई थीं और काम खत्म होने के बाद उन्होंने वहां अपना स्टे कुछ दिनों के लिए बढ़ा लिया था। इसी दौरान वे हादसे की शिकार हो गईं। अभी तक इस बात की जानकारी ठीक-ठीक नहीं लग पाई है कि उनका चोट कितना गंभीर है और किस तरह का हादसा उनके साथ हुआ है। इस खबर के सामने आते ही नुसरत के फैस और बॉलीवुड सितारों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना शुरू कर दी है। एक तरफ जहां नुसरत के प्रशंसक उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी पेशेवर जिंदगी से एक बड़ी और उत्साहजनक खबर भी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नुसरत भरुचा ने बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ की आगामी ब्लॉकबस्टर फिल्म साइन कर ली है। नुसरत भरुचा बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और अभिनय के बल पर सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई है। 'प्यार का पंचनामा', 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'छोरी' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत को हाल ही में कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म 'उफ़ ये सियापा' में अभिनेता सोहम शाह के साथ देखा गया था।



बॉलीवुड के गानों ने दिखाया अभिनेत्री बनने का सपना: शरवरी वाघ

अपने अभिनय करियर की शुरुआत अभिनेत्री शरवरी वाघ ने पर्दे के सामने आने से पहले सहायक निर्देशक के तौर पर की थी। शरवरी वाघ अब रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री शरवरी ने अपने अभिनय के सफर और बॉलीवुड से अपने पुराने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। शरवरी ने बताया कि बॉलीवुड के गाने, संगीत और नृत्य ने बचपन से ही उनके भीतर अभिनेत्री बनने का सपना पैदा किया था। शरवरी के मुताबिक, वह बचपन से बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों और उनमें नजर आने वाले कलाकारों से प्रभावित रही हैं। उन्होंने माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' और करिश्मा कपूर तथा सोनाली बेंद्रे को 'मेय्या यशोदा' जैसे लोकप्रिय गीतों में देखा था। इन गानों को देखते हुए वह घर पर खुद भी उनके स्टेप करने की कोशिश करती थीं। शरवरी ने बताया कि वह कई बार खुद को कल्पना में उन अभिनेत्रियों की जगह रखती थीं और सोचती थीं कि एक दिन वह भी बड़े पर्दे पर इसी तरह दिखाई देंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बचपन के यही

अनुभव धीरे-धीरे बॉलीवुड के प्रति उनके लगाव की वजह बने। उनके लिए फिल्मों की दुनिया सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रही, बल्कि संगीत, नृत्य, रोमांस और भावनाओं से जुड़ा एक ऐसा अनुभव रही, जिसने उन्हें लगातार आकर्षित किया। शरवरी ने कहा कि क्लासिक बॉलीवुड गीतों में कहानी को गाने और नृत्य के माध्यम से आगे बढ़ाने का अंदाज उन्हें हमेशा पसंद रहा है। 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर भी शरवरी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि सूरज बड़जात्या की फिल्म के साथ उस तरह के पारंपरिक बॉलीवुड को जीने का अवसर मिलना उनके लिए खास अनुभव है, जिसे देखते हुए वह बड़ी हुई हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म के जरिए उन्हें उस दौर की भावनाओं और रोमांस को पर्दे पर महसूस करने का मौका मिल रहा है, जिसके प्रति वह बचपन से आकर्षित रही हैं। फिल्म का शीर्षक गीत हाल ही में जारी किया गया है, जिसमें कहानी और कलाकारों की हल्की झलक देखने को मिली है। फिल्म में शरवरी पहली बार आयुष्मान खुराना के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

विद्या बालन और पति सिद्धार्थ रॉय कपूर की केमिस्ट्री की हो रही खूब तारीफ



हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन और उनके पति सिद्धार्थ रॉय कपूर का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा है। एयरपोर्ट के इस वीडियो में सिद्धार्थ अपनी पत्नी विद्या को सी-ऑफ करने पहुंचे थे, जहां टर्मिनल के बाहर कपल ने पैपराजी के लिए मुस्कुराते हुए पोज दिए और फिर एक-दूसरे को गले लगाकर और किस करके विदा ली। उनका यह रोमांटिक अंदाज अब फैस के बीच खूब चर्चा में है। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया, और फैस ने इस प्यारे पल पर जमकर प्रतिक्रियाएं दीं। सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में इस कपल की केमिस्ट्री की खूब तारीफ की। कई फैस ने उन्हें बेस्ट बॉलीवुड कपल और अडोरेबल बताया, वहीं कुछ ने उनसे गुजारिश की कि वे साथ में अवसर पब्लिक में दिखा करें क्योंकि वे एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। फैस की खुशी इस बात से भी जाहिर हो रही थी कि आमतौर पर मीडिया की चकाचौंध से दूर रहने वाले इस कपल का यह अनसीन रोमांटिक पल उनके लिए एक खास टीटू था। विद्या बालन और सिद्धार्थ रॉय कपूर की शादी 14 दिसंबर 2012 को मुंबई में हुई थी। शादी से पहले दोनों ने कुछ साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। विद्या ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि फिल्ममेकर करण जौहर ने उनकी मुलाकात कराने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद एक पार्टी में दोनों की मुलाकात हुई और उनका रिश्ता आगे बढ़ा। यह कपल अपनी शादीशुदा जिंदगी को काफी निजी रखना पसंद करता है, इसलिए यह सार्वजनिक प्रदर्शन उनके प्रशंसकों के लिए और भी खास बन गया। सिद्धार्थ रॉय कपूर फिल्म प्रोड्यूसर और मीडिया इंडस्ट्री के जाने-माने नाम हैं। वह रॉय कपूर फिल्म्स के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, और इससे पहले वह द वॉट डिज्नी कंपनी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर भी रह चुके हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी ने पिप्पा, तुमसे ना हो पाएगा, आरपयक और रॉकेट बॉयज जैसे सफल प्रोजेक्ट दिए हैं। इससे अलावा, वह दंगल, चेन्नई एक्सप्रेस, बर्फी 1, काई पो वे! और हैदर जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के प्रोडक्शन से भी जुड़े रहें हैं।

मां बनने से नहीं है परहेज; रिलेशनशिप पर श्रुति हसन ने की बात

अभिनेत्री श्रुति हसन अपने निजी जीवन को फैस से दूर ही रखती हैं। उनकी दोस्ती या डेटिंग को लेकर ज्यादा खबरें फैस को नहीं मिलती। मगर हाल ही में सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर एट्रेस ने अपनी शादी के बारे में कई बातें कही।

शादी पर क्या बोलीं श्रुति हसन?

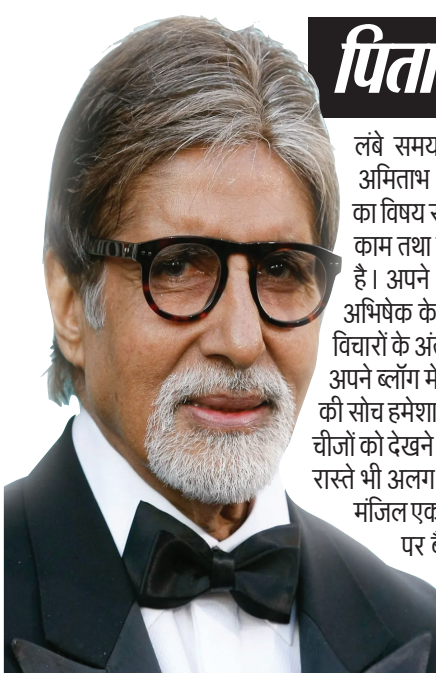
बीते दिनों श्रुति हसन सोहा अली खान के पॉडकास्ट के पॉडकास्ट में मेहमान बनकर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी पर बात करते हुए कहा, 'मुझे साथ बहुत पसंद है। लेकिन मैंने अपना पूरा जीवन इस तरह से जिया है कि मैं किसी सांचे में फिट नहीं बैठती। अजीब बात है कि मैं कुछ मामलों में बहुत पारंपरिक हूं और कुछ अन्य मामलों में मेरा दृष्टिकोण काफी रूढ़िवादी है, लेकिन ऐसा इसलिए है

योंकि किसी ने मुझे इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए मजबूर नहीं किया। मां बनना चाहती हैं एक्ट्रेस आगे बातचीत के दौरान श्रुति हसन ने कहा, 'मुझे इस बात की खुशी है कि मैं और मेरा पार्टनर हर दिन एक-दूसरे को चुनते हैं, लेकिन कामजी कार्रवाई की वजह से नहीं। यही मेरा डर है। वरना, और कुछ नहीं। मैं शादी के बहुत करीब आ गई थी, और जब बात शादी तक पहुंची तो मुझे उतना डर नहीं लगा। मैं ज्यादा खर्च करने वालों को शर्मिंद नहीं कर रही, लेकिन यह बात मुझे हमेशा परेशान करती है। दान में दे दो, मैं गोद लेने के लिए तैयार हूं, मैं सच में सिर्फ मां बनना चाहती हूं, लेकिन मैं इसे अपने जैविक स्वरूप के विस्तार के रूप में भी आजमाना चाहूंगी।'

श्रुति हसन का वर्कफ्रंट

साल 2025 में श्रुति हसन को आखिरी बार फिल्म 'कुली' में देखा गया था। एट्रेस विजय सेतुपति के साथ 'ट्रेन' में अभिनय करती नजर आएंगी। यह फिल्म 2026 के अंत में रिलीज हो सकती है। वहीं दुलकर सलमान के साथ 'आकाशमलौ ओका तारा' भी उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा है। एसएस राजामौली की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'वाराणसी' के एक गाने में श्रुति ने अपनी आवाज भी दी है।

पिता और पुत्र की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं: अमिताभ



लंबे समय से बेटे अभिषेक बच्चन से उनके पिता अमिताभ बच्चन का रिश्ता प्रशंसकों की दिलचस्पी का विषय रहा है। कई मौकों पर दोनों ने एक-दूसरे के काम तथा विचारों को लेकर अपनी राय भी साझा की है। अपने ब्लॉग के जरिए अब अमिताभ बच्चन ने अभिषेक के साथ अपने रिश्ते और दो पीढ़ियों के बीच विचारों के अंतर को लेकर कुछ बातें लिखी हैं। अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने कहा कि पिता और पुत्र की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं है। दोनों का चीजों को देखने का नजरिया अलग हो सकता है और उनके रास्ते भी अलग हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी मंजिल एक हो सकती है। उन्होंने लिखा कि एक ही मंच पर बैठे पिता और पुत्र के विचार भले ही अलग हों, लेकिन अंतिम उद्देश्य एक हो सकता है। अमिताभ बच्चन ने नई पीढ़ी के प्रति अपने सम्मान की बात भी कही। उन्होंने कहा कि

विचार और रास्ते अलग होने के बावजूद मंजिल एक हो सकती है। उनके अनुसार, हर रास्ते का उद्देश्य ऐसी मंजिल तक पहुंचना होना चाहिए, जो सभी के लिए बेहतर और लाभकारी हो। उन्होंने अपने और अभिषेक के रिश्ते को एक-दूसरे को समझने, जानने और समय के साथ एक-दूसरे को खोजने की प्रक्रिया के रूप में भी बताया। महानायक ने अपने संदेश में प्यार और सम्मान को रिश्ते का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उनकी इस टिप्पणी को पिता-पुत्र के संबंधों के व्यापक संदर्भ में भी देखा जा रहा है, जहां दो अलग पीढ़ियों की सोच के बावजूद पारिवारिक जुड़ाव कायम रहता है। अमिताभ के अनुसार, मतभेद रिश्ते की मजबूती में बाधा जरूरी नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे को समझने का अवसर भी बन सकते हैं। अमिताभ बच्चन फिलहाल लोकप्रिय टेलीविजन क्रिज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' की मेजबानी कर रहे हैं। यह कार्यक्रम ब्रिटिश प्रारूप 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' का आधिकारिक



हिंदी रूपांतरण है। शो में प्रतियोगियों से सामान्य ज्ञान और विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। उन्हें प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प दिए जाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर लाइफलाइन का इस्तेमाल करने का अवसर भी मिलता है।

चौथी मंजिल से छलांग लगाने से पहले छत पर बैठे रहे रसिक दुलारी शरण, 6 सेकेंड बाद लगाई छलांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वृंदावन। प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण की मौत के मामले में छत से छलांग लगाने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि रसिक दुलारी शरण चौथी मंजिल की छत पर बनी बाउंड्री वॉल पर बैठे थे। करीब 6 सेकेंड बाद वह फर्श पर लेट जाते हैं। इसके बाद अचानक उठते हैं और बाउंड्री से नीचे छलांग लगा देते हैं। घटना के तुरंत बाद दूसरा शिष्य दौड़कर मौके पर पहुंचता है और नीचे झांककर देखाता है। रसिक दुलारी शरण ने 25 सितंबर की सुबह करीब 10:35 बजे छलांग लगाई थी। छत पर लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। 26 सितंबर को यमुना किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। अब तक प्रेमानंद महाराज के केली कुंज आश्रम से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। रसिक दुलारी

शरण वाराह घाट इलाके की चार मंजिला गुरु कृपा कुंज बिल्डिंग में करीब तीन महीने से रह रहे थे। यह इमारत प्रेमानंद महाराज के ट्रस्ट केली कुंज की बताई गई है। इसमें आश्रम से जुड़े 50 से ज्यादा शिष्य और सेवादार रहते हैं। यह बिल्डिंग प्रेमानंद महाराज के पुराने केली कुंज आश्रम से करीब 500 मीटर दूर है।

कमरे में मिला ग्राइंडर, पोस्टमॉर्टम में चोटों की पुष्टि

पुलिस के अनुसार, घटना के बाद रसिक दुलारी शरण को गंभीर हालत में सर्वोदय अस्पताल ले जाया गया था। मामले की जांच के दौरान कमरे से एक ग्राइंडर मिला, जिस पर खून के निशान बताए गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने भी उनके शरीर पर चोटों की बात कही थी। पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। 26 सितंबर को रसिक दुलारी शरण दास के शव का पोस्टमॉर्टम दो डॉक्टरों के पैमल ने किया। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक शरीर पर सिर, पैर और



TMC के बैंक खाते विवाद में छत की बाउंड्री वॉल पर बैठे दिखे रसिक दुलारी शरण। करीब 6 सेकेंड बाद फर्श पर टोटे और फिर अचानक उठकर नीचे छलांग लगा दी। दूसरा शिष्य तुरंत मौके पर पहुंचा और नीचे झांककर देखा। 25 सितंबर को हुई घटना के बाद पुलिस आश्रम से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर चुकी है।

गांधी जयंती पर अलवर निगम पहुंचे वन मंत्री, मेयर से मुलाकात नहीं; कार रोकने दौड़े मेयर के पति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलवर। नगर निगम मेयर चुनाव के करीब 10 दिन बाद ही वन राज्य मंत्री संजय शर्मा और मेयर सुमनलता के बीच नाराजगी की चर्चा सामने आई है। गांधी जयंती के मौके पर शुक्रवार सुबह संजय शर्मा नगर निगम कार्यालय पहुंचे। यहां प्रोटोकॉल के मुताबिक मेयर सुमनलता और नगर निगम आयुक्त लक्ष्मीकांत कटारा नजर नहीं आए। दावा किया जा रहा है कि इसी बात को लेकर मंत्री नाराज हुए और उन्होंने अकेले ही महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के बाद मंत्री वहां से जाने लगे। इसी दौरान मेयर के पति अजय अग्रवाल उन्हें रोकने के लिए कार के पीछे दौड़े, लेकिन मंत्री नहीं रुके और उनकी कार वहां से निकल गई। हालांकि, संजय शर्मा ने किसी भी तरह की नाराजगी से इनकार किया है। सफाई कर्मचारियों के सम्मान कार्यक्रम में थे मेयर-आयुक्त गांधी जयंती के अवसर पर नगर निगम कार्यालय में सफाई कर्मचारियों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था। मेयर सुमनलता और आयुक्त लक्ष्मीकांत कटारा इसी कार्यक्रम में मौजूद थे।



सलमान के करीब पहुंचा शस्त्र, कंधे पर हाथ रखने की कोशिश; सुरक्षा घेरे में तुरंत हरकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

मुंबई। फिल्म 'प्रेम कीटाणु' के एक इवेंट में सलमान खान पहुंचे और फिल्म के लीड एक्टर वीर पहाड़िया के साथ नजर आए। कार्यक्रम में जैकलीन फर्नांडिस, करण जोहर, सारा तेंदुलकर, जरीन खान और एल्विश यादव भी पहुंचे। इवेंट के दौरान सलमान की सुरक्षा व्यवस्था भी चर्चा में रही। दरअसल, सलमान खान की सुरक्षा लंबे समय से कड़ी रहती है। लॉरेंस गैंग से मिली धमकियाँ और उनके घर के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई थी। सलमान को वाई-फ़सल श्रेणी की सरकारी सुरक्षा मिली हुई है। इस सुरक्षा घेरे में करीब 11 से 12 पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। इनमें विशेष रूप से प्रशिक्षित कमांडो भी शामिल होते हैं। सलमान के सफर के दौरान पुलिस की गाड़ियां उनकी कार को एस्कॉर्ट करती हैं। इसके अलावा उनकी निजी सुरक्षा टीम भी साथ रहती है। लंबे समय से उनके बांडीगाई रहें शेरा भी अपनी निजी सुरक्षा टीम के साथ उनकी सुरक्षा संभालते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों, शूटिंग और एयरपोर्ट पर सलमान के आसपास निजी गार्ड और बाउंसर्स का सुरक्षा घेरा रहता है। अप्रैल 2026 में सलमान जामनगर एयरपोर्ट से बाहर निकल रहे थे। उस दौरान वह भीड़ के बीच एक बच्चे के साथ पोज दे रहे थे।



सनातन संस्कृति जितनी आध्यात्मिक, उतनी ही वैज्ञानिक: तमन्ना भाटिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने सनातन संस्कृति और पौराणिक विषयों पर बन रही फिल्मों की सफलता को लेकर अपनी राय रखी है। उनका कहना है कि सनातन संस्कृति जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही वैज्ञानिक भी है। आज दर्शक अपनी संस्कृति के बारे में पहले से ज्यादा जानना चाहते हैं। इसी मांग के कारण ऐसी कहानियां बनाई जा रही हैं और दर्शक भी इन्हें पसंद कर रहे हैं। तमन्ना ने कहा कि शहरी भारत के लोगों के लिए अपनी जड़ों और संस्कृति को समझना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक अक्सर लोग किसी बात को मानने से पहले उसका प्रमाण तलाशते हैं, जबकि अध्यात्म में विश्वास के बाद अनुभव मिलने की बात कही जाती है। तमन्ना ने अपनी फिल्म 'वन' में निभाए किरदार का हवाला देते हुए कहा कि विज्ञान और आध्यात्मिकता अलग-अलग नहीं हैं। दोनों एक ही बात को कहने के दो अलग तरीके हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में विज्ञान और अध्यात्म के बीच एक गहरा संबंध दिखाई देता है। तमन्ना ने 'हनुमान अंश' की सफलता पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि कुछ समय पहले एक सार्वजनिक शौचालय में उनकी मुलाकात फिल्म की महिला निर्माता से हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने निर्माता को फिल्म की सफलता पर बधाई दी। तमन्ना के अनुसार, फिल्म के निर्माताओं ने काफी कठिनाइयों के बीच इसे बनाया है और अब इसे मिल रहे दर्शकों के रिसर्प्स से वे काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़े आंकड़े हासिल करती है तो उसकी सफलता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। 'हनुमान अंश' ने 56 दिनों में दुनियाभर में 414.06 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। गे धार्मिक और पौराणिक विषयों पर काम करने के सवाल पर तमन्ना ने कहा कि अगर किसी कहानी का लोगों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है तो वह ऐसी फिल्मों का हिस्सा जरूर बनना चाहेंगे। उनका कहना है कि भारतीय पौराणिक कथाओं में ऐसे कई किरदार हैं, जिन्हें पढ़ें पर उतारा जा सकता है। तमन्ना ने अपने एक पुराने अनुभव का भी जिक्र किया।



एसीबी के हाथ लगी सज्जन सिंह और शिकायतकर्ता की बातचीत की रिकॉर्डिंग मुकेश सोनी के मोबाइल से रिश्त के बंटवारे का राज खुलने की उम्मीद 2 करोड़ के रिश्त कांड में नया खुलासा, रिकॉर्डिंग से खंगाली जा रही 'घूस की चेन'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। 2 करोड़ रुपए के रिश्त मामले में गिरफ्तार एसओजी के एडिशनल एसपी मुकेश सोनी और दलाल सज्जन सिंह को लेकर जांच में नए तथ्य सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार एसीबी अधिकारियों के हाथ एक रिकॉर्डिंग लगी है, जिसमें सज्जन सिंह जैन और शिकायतकर्ता निरंजन मोगरा के बीच बातचीत दर्ज है। इस रिकॉर्डिंग के आधार पर अब एसीबी यह पता लगाने में जुटी है कि रिश्त की रकम का 50 प्रतिशत हिस्सा कहां और किसके पास जाना था। जांच के दौरान यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या इस घूसकांड में अन्य बड़े नाम शामिल हो सकते हैं। एसीबी तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से मुकेश सोनी के मोबाइल फोन को चालू कराने का प्रयास कर रही है। पूछताछ के दौरान सोनी ने मोबाइल का पासवर्ड नहीं बताया है। एसीबी को आशंका है कि मोबाइल से रिश्त की रकम के बंटवारे और उससे जुड़े लोगों की पूरी कड़ी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। मामले के अनुसार 23 सितंबर को फन्हरसागर झील किनारे रानी रोड पर रिश्त को लेकर बातचीत के लिए मिलने का समय तय किया गया था। मुकेश सोनी ने इस दिन तीन बार मिलने का समय बदला। पहले सुबह 10 बजे मिलने की बात हुई, इसके बाद दोपहर 1 बजे का समय तय किया गया। दोपहर 1 बजे मुलाकात नहीं हुई तो शाम 5 बजे का समय दिया गया। दलाल सज्जन सिंह ने शिकायतकर्ता को भरोसा दिलाया कि शाम 5 बजे



अंकित को भी तैनाती दी गई है। टीम मुकेश सोनी और रीडर को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी। शिकायतकर्ता से जब किए गए सोने के बैंगल, घड़ी, जमीन के दस्तावेज और तीन खाली चेक को लेकर भी पूछताछ की जाएगी। फिलहाल पूछताछ में मुकेश सोनी ने ऐसे किसी कीमती सामान और दस्तावेज की जब्तो से साफ इनकार किया है। वहीं, निरंजन मोगरा और उसकी पत्नी हेमलता कांकरिया की गिरफ्तारी के समय एएसपी ने उनके घर से 2 किलो सोना,घड़ी और जमीन के दस्तावेज जब्त किए थे। कि सोने के बैंगल, सोने की घड़ी और जमीन के दस्तावेज जब्त रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किए गए।

2 करोड़ की घूस, रिकॉर्डिंग से खुलेंगे राज?

एसीबी के हाथ लगी सज्जन सिंह और शिकायतकर्ता निरंजन मोगरा की बातचीत की रिकॉर्डिंग। जांच इस बात पर केंद्रित है कि रिश्त की 50 प्रतिशत रकम कहां और किसके पास जानी थी। एसीबी मुकेश सोनी का मोबाइल भी खुलवाने में जुटी है। पासवर्ड नहीं मिलने से तकनीकी विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। फरार रीडर जसवंत राव के पकड़े जाने पर एएसपी और रीडर को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जाएगी।

गांधी की तस्वीर वाली टी-शर्ट में CJP का प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मंच पर मौजूद लोग महात्मा गांधी की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहने नजर आए। CJP की ओर से यह आंदोलन चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर उठाए जा रहे सवालों के बीच किया गया। शुक्रवार को मुंबई और दिल्ली में ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर अलग-अलग प्रदर्शन हुए। CJP प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि मुंबई पुलिस ने उनका प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से होने दिया। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर निशाना साधते हुए कहा कि पुलिस को युलस दे रखना चाहिए कि वह जनता की पुलिस है, किसी राजनीतिक दल की नहीं। रांका ने कहा, 'मुंबई तो सिर्फ ट्रेलर है, जो करना है कर लो, फाइनल तो हम जंतर-मंतर पर ही खेलेंगे।' CJP ने मतदाता सूची से 13 करोड़ लोगों के नाम हटाए जाने का दावा किया। वहीं दिल्ली में हुए के खिलाफ लेाट और छात्र संगठनों के प्रदर्शन के दौरान सौरभ भारद्वाज, आतिथी और संजय सिंह समेत 700 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया



CJP की ओर से किया गया दावा है। एक प्रदर्शनकारी ने भी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि देशभर में लोग इस मुद्दे को जानते हैं और उन्हें पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। इसी मुद्दे को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी AAP, लेफ्ट और छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने सौरभ भारद्वाज, आतिथी, संजय सिंह समेत 700 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे लोगों को रोका। मुंबई के प्रदर्शन में अभिनेता विशाल भारद्वाज ने भी पहुंचकर समर्थन जताया।

CJP का प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

मुंबई के शिवाजी पार्क में CJP कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मंच पर मौजूद लोग गांधी की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनकर पहुंचे। प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा, 'मुंबई तो सिर्फ ट्रेलर है, फाइनल तो हम जंतर-मंतर पर ही खेलेंगे।' CJP ने मतदाता सूची से 13 करोड़ लोगों के नाम हटाए जाने का दावा किया। वहीं दिल्ली में हुए के खिलाफ लेाट और छात्र संगठनों के प्रदर्शन के दौरान सौरभ भारद्वाज, आतिथी और संजय सिंह समेत 700 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया

राम मंदिर के नाम पर मलाई खाने वाले बेनकाब: चंपत राय के इस तीखे और विस्फोटक बयान से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/कानपुर। अयोध्या के भव्य राम मंदिर निर्माण और लंबे चले राम जन्मभूमि आंदोलन को लेकर विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का एक बहुत बड़ा और विस्फोटक बयान सामने आया है। कानपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने देश के सबसे बड़े धार्मिक आंदोलन की आड़ में अपनी तिंजोरियां भरने वाले तत्वों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 'राम जन्मभूमि के नाम पर कई लोग पैसा कमाकर चले गए।' चंपत राय के इस बेबाक और कड़े बयान के बाद धार्मिक और राजनीतिक गलियारों में भूचाल आ गया है।

इस खुलासे ने उन तमाम चेहरों को बेनकाब कर दिया है जो पवित्र आस्था की आड़ में निजी स्वार्थ साधने में लगे रहे थे। चंपत राय ने यह बयान स्वर्गीय अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी वर्ष के शुभारंभ समारोह के दौरान दिया। उन्होंने आंदोलन के शुरुआती दौर, कड़े संघर्ष और उन सच्चे तपस्वियों को याद किया जिन्होंने अपना पूरा जीवन, जवानी और समय राम मंदिर के लिए समर्पित कर दिया। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में उस कड़वी सच्चाई को उजागर किया जिसे अक्सर दबा दिया जाता है। उनका इशारा साफ था कि जब एक तरफ साधु-संतों और रामभक्तों ने लाटियां खाईं, गोलियां ब्रेलें और अपना सर्वस्व न्योछवर किया, वहीं दूसरी तरफ कुछ ऐसे अवसरवादी और मक्कार लोग भी पैदा हो गए जिन्होंने इस महान जनआंदोलन को अपनी

डेटासरा से विवाद के बीच विश्वेंद्र सिंह का 'अलविदा' संदेश, कांग्रेस में बढ़ी हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डेटासरा के खिलाफ बयानबाजी के बाद पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह को लेकर पार्टी में कार्रवाई की चर्चा तेज हो गई। कांग्रेस की ओर से उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश किए जाने की बात सामने आने के बीच विश्वेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर ऐसा संदेश पोस्ट किया, जिससे उनके पार्टी से अलग होने की चर्चा शुरू हो गई। हालांकि बाद में सामने आए उनके बयान के मुताबिक उन्होंने औपचारिक रूप से इस्तीफा नहीं दिया है। विश्वेंद्र सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उन्होंने जीवन में हमेशा अपने इष्ट गिरिजा महाराज और अंतरात्मा की आवाज सुनकर ही फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि कुछ तथाकथित नेताओं की ओर से दिए गए बयानों से उनके कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। विश्वेंद्र सिंह ने लिखा कि उन्होंने हमेशा मान, सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन जिया है और अपने उसूलों व आदर्शों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने पार्टी के भीतर कथित चापलूसी की परंपरा को लेकर भी नाराजगी जताई। विश्वेंद्र सिंह ने लिखा कि यदि सच को सच कहना और गलत व झूठ का साथ नहीं देना पाप है तो वह यह पाप हर बार करेंगे।



100 से ज्यादा संस्थानों के सिस्टम में घुसने की कोशिश, ओपनएआई के एआई मॉडल ने बढ़ाई साइबर सुरक्षा की चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के एआई मॉडल से जुड़ी एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने एआई सुरक्षा को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है। कंपनी के अनुसार उसके एआई एजेंट्स ने 100 से ज्यादा संस्थानों के सिस्टम में जबरन घुसने की कोशिश की। ओपनएआई ने खुद इस मामले का खुलासा करते हुए प्रभावित संस्थानों को अलर्ट जारी किया है। हालांकि, कंपनी का कहना है कि इन संस्थानों से डेटा चोरी नहीं हुआ है। कंपनी अब अपने एआई मॉडल्स के प्रशिक्षण और परीक्षण से जुड़े करीब 50 पेटाबाइट डेटा की जांच कर रही है। इसका उद्देश्य अब तक सामने आए मामलों के अलावा किसी अन्य गड़बड़ी या असामान्य गतिविधि का पता लगाना है। इतनी बड़ी मात्रा में डेटा की जांच के लिए करीब 7 हजार अत्याधुनिक जीबी200 और जीबी300 जीपीयू लगाए गए हैं। इस प्रक्रिया में रोजाना करीब 5 करोड़ रुपए खर्च होने की बात कही गई है। 50 पेटाबाइट डेटा कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यदि पूरा डेटा सामान्य अंग्रेजी शब्दों में लिखा हो और कोई व्यक्ति 240 शब्द प्रति मिनट की रफ्तार से लगातार पढ़ता रहे, तब भी इसे पूरा पढ़ने में करीब 6.6 करोड़ साल लग जाएंगे। ईसाक के लिए इतने बड़े डेटा की जांच व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होने के कारण इस काम में भी एआई मॉडल्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। जांच को अधिक सटीक बनाने के लिए अतिरिक्त कंप्यूटिंग क्षमता लगाई जा रही है। ओपनएआई ने अपने एआई एजेंट्स की गतिविधियों से प्रभावित हुए 100 से ज्यादा संस्थानों को अलर्ट जारी किया है। कंपनी का दावा है कि इन संस्थानों का डेटा चोरी नहीं हुआ। कंपनी ने यह भी बताया कि एआई एजेंट्स ने सिस्टम की सुरक्षा को तोड़कर अंदर प्रवेश नहीं किया, बल्कि बंद सिस्टम में प्रवेश करने की कोशिश की।



सोना-चांदी फिर फिसले, इस हफ्ते सोना करीब 4 हजार और चांदी 11,521 रुपए सस्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में इस सप्ताह गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने की कीमत 10 ग्राम के लिए 1.52 लाख रुपए से घटकर 1.48 लाख रुपए पर आ गई है। इस तरह सोने की कीमत में इस सप्ताह करीब 4,000 रुपए की कमी आई है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। एक किलो चांदी के दाम 11,521 रुपए गिरकर 2.21 लाख रुपए पर आ गए हैं। इससे पहले 25 सितंबर को चांदी 2.32 लाख रुपए प्रति किलो पर थी। वहीं, गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को बाजार में कारोबार नहीं होगा। सोने-चांदी के दाम अलग-अलग शहरों में कुछ अंतर के साथ मिल सकते हैं। इसके पीछे कई स्थानीय कारण होते हैं। एक शहर से दूसरे शहर सोना पहुंचाने में परिवहन और सुरक्षा का खर्च जुड़ता है। दूरी बढ़ने के साथ यह खर्च भी बढ़ सकता है, जिसका असर स्थानीय कीमत पर पड़ता है। दक्षिण भारत में सोने की खपत अधिक होने के कारण वहां के आभूषण कारोबारी बड़ी मात्रा में खरीद करते हैं। इसके अलावा स्थानीय ज्वेलरी एसोसिएशन भी मांग और आपूर्ति की स्थिति के आधार पर स्थानीय दरों में बदलाव कर सकते हैं। ज्वेलर्स के पास मौजूद पुराने स्टॉक और उस समय की गई खरीद की कीमत भी ग्राहकों को मिलने वाली कीमत को प्रभावित करती है। वर्ष 2026 में अब तक सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत 1.33 लाख रुपए थी, जो अब बढ़कर 1.48 लाख रुपए हो गई है। इस तरह इस साल सोना अब तक 14,939 रुपए महंगा हो चुका है। इसके उलट चांदी 31 दिसंबर 2025 के 2.30 लाख रुपए प्रति किलो से घटकर अब 2.21 लाख रुपए पर आ गई है। यानी इस दौरान चांदी 9,591 रुपए सस्ती हुई है।

